कोलफील्ड मिरर

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

कोलकाता | मंगलवार 07 मई 2024 | वर्ष-07 | अंक-1020 | पृष्ठ-06 | RNI (TA) No. 2022027633

ममता बनर्जी का स्पूफ वीडियो शेयर करने पर साइबर क्राइम सेल ने यूजर्स को चेतावनी दी

कोलफील्ड मिरर 07 मई (कोलकाता): साइबर क्राइम सेल ने एक एक्स (ट्विटर) उपयोगकर्ता से उनके खाते से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर एक मीम पोस्ट किए जाने के बाद उनकी पहचान का खुलासा करने के लिए कहा। पुलिस की ओर से उन्हें नोटिस भी भेजा गया है।

जानकारी के मुताबिक, कोलकाता पुलिस के साइबर अपराध प्रभाग ने सोमवार को दो सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को एक वीडियो पोस्ट करने के लिए नोटिस भेजा, जो आक्रामक, दुर्भावनापूर्ण और उकसाने वाला था। विचाराधीन वीडियो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का एआई स्पूफ था, जिसमें उन्हें एक मंच पर नृत्य करते हुए दिखाया गया था। पुलिस ने दो एक्स यूजर्स - @SoldierSaffron7 और

@Shalendervoice - को ममता बनर्जी का स्पूफ वीडियो शेयर करने पर चेतावनी दी।

डीसीपी (साइबर क्राइम), कोलकाता पुलिस ने जवाब में पोस्ट किया, 'आपको तुरंत नाम और निवास सहित अपनी पहचान का खुलासा करने का निर्देश दिया जाता है। यदि मांगी गई जानकारी का खुलासा नहीं किया जाता है, तो आप सीआरपीसी की धारा 42 के तहत कानूनी कार्रवाई के लिए उत्तरदायी होंगे।

उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस नेता ममता बनर्जी का एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता जनित मीम वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो गया है। मीम वीडियो में ममता बनर्जी को एक मंच पर प्रवेश करते हुए और अपने मजाकिया भाषण का उपयोग करके बनाए गए रीमिक्स पर नृत्य करते हुए दिखाया गया है। वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया गया है और इसे सोशल मीडिया पर खूब शेयर और देखा जा रहा है।

वीडियो वायरल पर कोलकाता पुलिस के साइबर क्राइम डिवीजन ने इसका संज्ञान लिया।

यह मीम वीडियो शनिवार को सोशल मीडिया पर साझा किया गया था। साझा किए जाने के बाद इसे कई बार देखा गया। वीडियो को 20 हजार से अधिक बार देखा जा चुका है और इसे सोशल मीडिया पर भी व्यापक रूप से साझा किया गया है।

अवैध शराब के खिलाफ घाटाल में छापेमारी, एक गिरफ्तार

कोलफील्ड मिरर 07 मई (खड़गपुर): अवैध शराब बनाने और बिक्री के खिलाफ पश्चिम मेदिनीपुर जिला अंतर्गत घाटाल के दांडीपुर गांव में छापेमारी की गई। इस क्रम में 120 लीटर चोलाई शराब और 1200 लीटर शराब बनाने के कच्चे माल के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। घाटाल एक्साइज सर्कल ऑफिसर के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। आरोपित व्यक्ति को घाटाल अदालत में पेश किया गया। जहां अदालत ने आरोपित की जमानत याचिका नामंजूर करते हुए उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

मतदान ड्यूटी पर आए एक पुलिसकर्मी की असामान्य मौत से हड़कंप

कोलफील्ड मिरर 07 मई (मालदा): जिले के वैष्णव नगर थाना इलाके में मतदान ड्यूटी पर आए एक पुलिसकर्मी की असामान्य मौत से हड़कंप मच गया. शव को पोस्टमार्टम के लिए मालदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल की मोर्चरी में लाया गया. स्थानीय और पुलिस सूत्रों के अनुसार, पुलिसकर्मी का नाम नवीन मुक्तन, उम्र लगभग (43) है, उनका निवास दार्जिलिंग जिले के लामा रोड वार्ड नंबर 22 है। वहां से वह मालदा के वैष्णव नगर थाना क्षेत्र में मतदान ड्यूटी पर आये थे. बीती रात पुलिसकर्मी की अचानक तबीयत खराब हो गई. उसे तुरंत बेदराबाद के स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। वहां से हालत खराब होने पर उसे मालदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया. आपातकालीन विभाग में डॉक्टरों ने पुलिसकर्मी को मृत घोषित कर दिया. पुलिस पूरी घटना की जांच में जुट गई है.

राज्यपाल ने कहा, ममता की दीदीगिरी बर्दाश्त नहीं करेंगे

कोलफील्ड मिरर 07 मई (कोलकाता): राज्यपाल डा सीवी आनंद बोस ने राजभवन की एक अस्थायी महिला कर्मचारी द्वारा उन पर लगाए गए छेड़खानी के आरोप पर सोमवार को कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उन्हें लेकर ओछी राजनीति कर रही हैं। वे उनकी 'दीदीगिरी' बर्दाश्त नहीं करेंगे।

चेन्नई से लौटे राज्यपाल ने कोलकाता एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में आगे कहा कि राज्यपाल राजनीति से ऊपर होते हैं। चुनाव के समय मुख्यमंत्री राज्यपाल को भी राजनीति के गलियारे में ले आई हैं। मालूम हो कि ममता ने इस प्रकरण पर पिछले दिनों एक चुनावी रैली में कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संदेशखाली पर संदेश देते फिर रहे हैं। उन्हें पहले इस बात का जवाब देना चाहिए कि राज्यपाल ने अपनी कर्मचारी के

साथ छेड़खानी क्यों की?

राज्यपाल के बयान पर पलट जवाब देते हुए बंगाल की वित्त राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा कि राज्यपाल ने कोलकाता लौटते ही मुख्यमंत्री के विरुद्ध असम्मानजनक बातें करनी शुरू कर दी हैं। इसी से पता चलता है कि महिलाओं के बारे में उनकी क्या सोच है। वे कह रहे हैं कि ममता की दीदीगिरी नहीं मानेंगे। तो क्या वे दादागिरी करते रहेंगे?

बंगाल के लोग इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। धीरे-धीरे यह प्रमाणित होता जा रहा है कि उन्होंने अन्याय किया है। वहीं वरिष्ठ तृणमूल नेता डा शांतनु सेन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से राज्यपाल पर आरोप लगाने वाली महिला की मदद करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति और राज्यपाल के कुछ संवैधानिक अधिकार हैं, लेकिन वे पद के लिए हैं, न कि व्यक्ति के लिए। एक महिला होने के नाते राष्ट्रपति को दूसरी महिला को न्याय दिलाने में मदद करनी चाहिए।

इस बीच राज्यपाल ने राजभवन के समस्त कर्मचारियों को पुलिस से बात नहीं करने की कड़ी हिदायत दी है। पुलिस के राजभवन में प्रवेश करने पर पहले ही रोक लगाई जा चुकी है। राजभवन की ओर से अधिसूचना जारी करके कहा गया है कि इस मामले की जांच को लेकर किसी भी पुलिसकर्मी से बात न की जाए। मालूम हो कि कोलकाता पुलिस की ओर से विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है, जिसने गवाहों से पूछताछ करने की बात कही है।

इस बीच कोलकाता पुलिस के उपायुक्त (केंद्रीय प्रभाग) ने सोमवार को बयान जारी करके स्पष्ट किया कि जांच किसी व्यक्ति के विरुद्ध नहीं है बल्कि यह पता लगाने के लिए की जा रही है कि गत गुरुवार को वास्तव में क्या हुआ था। पुलिस ने यह भी बताया कि मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी को अभी तक राजभवन से सीसीटीवी फुटेज नहीं मिला है।

हाथी दांत के बाद इस बार वन विभाग ने 62 बारहसिंघों के सिंग को जलाकर नष्ट किया

कोलफील्ड मिरर 07 मई (बाँकुड़ा): हाथी दांत के बाद इस बार बारहसिंघों के सिंग को बाँकुड़ा के वन विभाग ने जला डाला. बाराजोरा औद्योगिक तालुक में एक कारखाने में उच्च तापमान पर 62 हिरण जल गए। वन विभाग ने कहा है कि यह पहल वन्यजीवों के अंगों की तस्करी को रोकने के लिए है.

बांकुरा के जंगल विभिन्न वन्य जीवन से समृद्ध हैं। हाथियों और बारहसिंघों के अलावा, विभिन्न स्तनधारी वर्ष भर जंगल में रहते हैं। पिछले तीन दशकों में बाँकुड़ा के विभिन्न वन प्रभागों में कम से कम 57 हाथी दांत जमा किए गए थे। पिछले आठ से दस वर्षों में, बाँकुड़ा दक्षिण वन प्रभाग के गोदाम में धीरे-धीरे 62 हिरण सिर जमा हो गए। हाल ही में वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत वन विभाग ने ऐसे जानवरों के शवों को तत्काल नष्ट करने का आदेश दिया है. उसके बाद, पिछले दिसंबर की शुरुआत में, बाँकुड़ा उत्तर, बाँकुड़ा दक्षिण और बिष्णुपुर के तीन वन विभाग के गोदामों में संग्रहीत कुल 57 हाथी दांत उच्च तापमान से नष्ट किये गए। इसके बाद वन विभाग ने स्टॉक में मौजूद बारहसिंघों के सिंग को नष्ट करने का निर्णय लिया। आज उन 62 बारहसिंघों के सिंग को वन विभाग द्वारा बाराजोरा के एक निजी फैक्ट्री की भट्टी में उच्च तापमान और कड़ी सुरक्षा के बीच जला दिया गया। वन विभाग का दावा है कि यह पहल वन्य जीवों के अंगों की तस्करी रोकने के लिए है.

सैकड़ो भाजपा समर्थक उज्जल चटर्जी के हाथों तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए

कोलफील्ड मिरर 07 मई (नियामतपुर): कुल्टी ब्लॉक अंतर्गत वार्ड संख्या 19 में तालपाड़ा व बाउरी पाड़ा के सैकड़ो भाजपा समर्थक उज्जल चटर्जी के हाथों तृणमूल कांग्रेस का झंडा पकड़ कर तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए।

इस दौरान मुख्य रूप से कुल्टी तृणमूल ब्लॉक अध्यक्ष कंचन राय, ब्लॉक युवा अध्यक्ष विमान दत्ता, वरिष्ठ तृणमूल नेता शिवदास राय, वार्ड संख्या 19 के अध्यक्ष महबूब खान, युवा अध्यक्ष कमरूद्दीन

शेख इत्यादि तृणमूल कर्मी उपस्थित रहे।

मौके पर तृणमूल अध्यक्ष कंचन राय ने कहा कि भाजपा के दुर्नीति से तंग आकर सैकड़ों बेरोजगार युवाओं ने आज तृणमूल कांग्रेस का दामन थामा है, मैं पूरे तालपाड़ा एवं बाउरी पाड़ा के लोगों को आश्वासन देता हूं के हर परिस्थिति में तृणमूल कांग्रेस आप लोगों के साथ खड़ी रहेगी।

वहीं तृणमूल कांग्रेस का दामन थामने वाले सुमित बाउरी ने कहा कि राज्य सरकार की सभी योजनाओं का लाभ हमारे घर की मां बहन सभी को आसानी से मिल रहा है, चाहे स्वास्थ्य साथी योजना, लक्खी भंडार योजना, रूपा श्री योजना, कन्या श्री योजना हो इन सभी योजनाओं से प्रेरित होकर आज बस्ती के हम सभी लोगों ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के हाथ को मजबूत करने के लिए तृणमूल कांग्रेस का दमन थाम लिया है और हमें आशा है कि हमारे बस्ती का हर तरह से उन्नयन तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व में किया जाएगा।

अनामिका तिवारी के कथा, संग्रह 'रेड कार्पेट' का हुआ समरोहपूर्वक लोकार्पण

तारकेश कुमार ओझा

कोलफील्ड मिरर 07 मई (खड़गपुर/ मेदिनीपुर): जंगल महल की प्रख्यात लेखिका व पेशे से शिक्षिका अनामिका तिवारी की कहानियों का पहला संग्रह "रेड कार्पेट" का समारोहपूर्वक विमोचन मेदिनीपुर फिल्म सोसाइटी हॉल में स्थानीय स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में किया गया। विद्यासागर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. सुशांत कुमार चक्रवर्ती ने 21 लघु कहानियों वाली इस पुस्तक का विमोचन किया। समारोह में प्रोफेसर जयजीत घोष, संगीतकार जयंत साहा, कवि निर्माल्य मुखोपाध्याय, कवि और फिल्म समीक्षक सिद्धार्थ सांतरा, कवि अभिनंदन मुखोपाध्याय, कवि आनंद स्वरूप नायक, सामाजिक कार्यकर्ता रमाप्रसाद तिवारी,

प्रोफेसर डॉ. दीपांजय मुखर्जी, कहानीकार विनोद मंडल, आवृत्तिकार विद्युत पाल, कवयित्री तनुश्री भट्टाचार्य, कवयित्री राजेश्वरी सारंगी, कवि और संपादक वरुण विश्वास, संगीत कलाकार रथिन दास, गीतकार पांचाली चक्रवर्ती, संस्कृति प्रेमी लक्ष्मण ओझा, दिलीप मुखर्जी, बाल कलाकार आदित्री.मुखर्जी, कवि अमित पंडित समेत कई गुणी लोग उपस्थित थे।

कार्यक्रम में लेखिका अनामिका तिवारी ने सभी का स्वागत किया। पुस्तक का विमोचन करते हुए कुलपति प्रोफेसर डॉ. सुशांत चक्रवर्ती ने इस तरह की पहल की सराहना की। पुस्तक की प्रस्तावना लेखक निर्मल्य मुखोपाध्याय ने लिखी है। उपस्थित विद्वानों ने इस कार्यक्रम को लघु कहानी संग्रह 'रेड कार्पेट' के विमोचन के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर बताया।

अनामिका तिवारी की कहानी पुस्तक रेड कार्पेट 21 लघु कहानियों का संग्रह है। इस पुस्तक में विभिन्न मनोदशाओं की कहानियाँ संग्रहित की गई हैं। अनामिका पर्याप्त दक्षता के साथ मध्यम वर्ग के विभिन्न तनावों और मनोदशाओं पर कलम चलाती है। जिनमें भूत-प्रेत की कहानियां भी होती हैं। अनामिका के किरदार पाठकों को शुरू से ही आकर्षित करते हैं। उन्होंने गौरचन्द्रिका को अनावश्यक नहीं छोड़ा। जिससे पाठक के मन में सहजता से रुचि पैदा होती है और उन्हें कहानी की गहराई तक खींच ले जाती है।

कहानी के बारे में, चलने वाले लोगों की आंतरिक दुनिया, रोजमर्रा के लोगों की दुविधाओं, तनावों और मनोदशाओं को कहानी के पात्रों में चित्रित किया गया है।

लोगों की भावनाएं, असहिष्णुता के साथ-साथ सामान्य आशा-निराशा भी एक के बाद एक कहानी में समाहित है। पुस्तक 'कवितिका' से प्रकाशित हुआ है। पुस्तक का आवरण कमलेश नंदा द्वारा तैयार किया गया है।

लेखिका अनामिका तिवारी ने कार्यक्रम के सफल समापन के लिए सभी संबंधित लोगों को धन्यवाद और आभार व्यक्त किया।

भारत जैन महामंडल लेडिज विंग द्वारा दो प्रसिद्ध हस्तियों को सम्मानित किया गया

कोलफील्ड मिरर 07 मई (कोलकाता): भारत जैन महामंडल लेडिज विंग कोलकाता शाखा ने समाज की दो प्रसिद्ध हस्तियों को उतरिए ओढ़ाकर सम्मानित किया। संस्था की संरक्षक श्री मती सरोज भंसाली ने दोनों को उतरिए ओढ़ाया। प्रसिद्ध हस्तियों का परिचय गणपत भन्साली जन्मस्थली- जसोल जिला बाड़मेर राज प्रवासी- सूरत गुजरात लेखक, पत्रकार, कवि सम्मेलन आयोजक इंटरनेशनल वाइस प्रेसिडेंट- महावीर इंटरनेशनल, रिजन- 8 प्रदेश सेक्रेटरी- ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, गुजरात शाखा प्रदेश कॉर्डिनेटर-ऑल इंडिया माइनॉरिटी फेडरेशन प्रदेश सेक्रेटरी- ऑल इंडिया वैश्य फेडरेशन, गुजरात शाखा संस्थापक- भारतीय जैन संघटना, सूरत जीआरपी मीडिया पब्लिकेशन्स ग्रुप के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर 3 पुस्तको का प्रकाशन और सुरेन्द्र जी मरोठी जन्मस्थली बहराम पुर वेस्ट बंगाल राजस्थान में नोखा निवासी टेक्सटाइल्स इंजीनियर यार्न डीलर, फर्म-शुभ मार्केटिंग, सूरत इंटरनेशनल डायरेक्टर- सेंटर एंड मेम्बरशिप डेवलोपमेन्ट- महावीर इंटरनेशनल दोनों ही हस्तियां निस्वार्थ भाव से समाज में लबे समय सेवा दे रही है। इन्हें सम्मानित करने का सौभाग्य मिला यह मंडल के लिए गौरव की बात है। उक्त जानकारी अंजू सेठिया ने दी।

भाड़ा विवाद में किरायेदार ने मकान मालिक को पीटकर जख्मी किया

कोलफील्ड मिरर 07 मई (रानीगंज): एनएसबी रोड निवासी विमल कुमार गुप्ता को भाड़ा विवाद को लेकर उनके किराएदार एवं अन्य असामाजिक तत्वों द्वारा घर में घुसकर मार कर जख्मी कर दिया गया. इस घटना के बाद विमल कुमार गुप्ता ने पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज किया. पुलिस ने मामले को सुलह करने को सलाह दिया. घटना के बाद विमल कुमार गुप्ता अपने विधि सलाहकार आसनसोल क्षेत्र के जाने-माने वरिष्ठ अधिवक्ता नंद बिहारी यादव से संपर्क किये और पूरी घटना बताने के बाद उन्होंने पूरे घटना में न्याय के लिए आसनसोल पुलिस कमिश्नरेट के पुलिस आयुक्त को लिखित शिकायत दर्ज कराई.

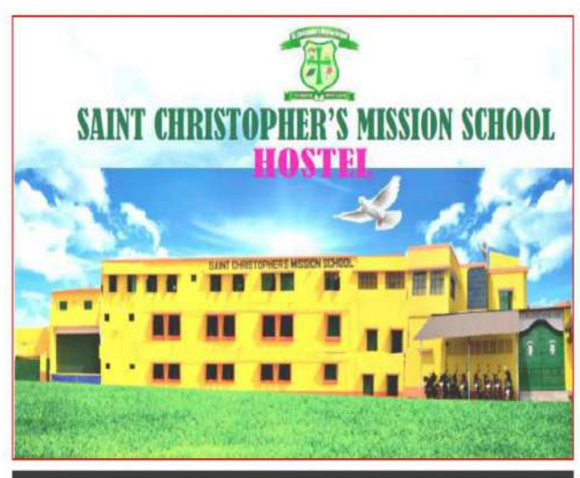

चिनाकुड़ी में उमा शंकर चौहान हत्याकांड के सूटर सहित तीनो आरोपी गिरफ्तार

कोलफील्ड मिरर 07 मई (नियामतपुर): कुल्टी थाना अन्तर्गत चिनाकुड़ी बाजार इलाके में उमाशंकर चौहान के हत्या के आरोप के मास्टर माइंड आरोपी अविनाश यादव और राहुल बाउरी को गिरफ़्तार कर कोट भेजा, वही अविनाश की तबियत अचानक बिगड़ जाने पर उसे ज़िला अस्पताल के पुलिस सेल में भर्ती करवाया गया है। वही राहुल बाउरी को आसनसोल कोट मे चालान कर जेल भेज दिया गया।

पुलिस द्वारा हत्या की घटना के बाद सूटर दीप बाउरी, मृत्क चौहान के कर्मचारी शिवनाथ रजक को गिरफ्तार किया था। रिमांड के दौरान पूछ ताछ करते हुए मडर की गुत्थी सुलझी। जिसमे मास्टर माइंड मृत्क चौहान के माइक्रो फाइनेंस कम्पनी के मैनेजर और उसके परिवार के सबसे बड़ा विश्वासी अविनाश यादव निकाला, साथ ही कम्पनी का डाटा इंट्री कर्मचारी राहुल बाउरी को इसमें

शामिल पाया गया।

पुलिस आधिकारीक सूत्रो से मिलि जानकारी के अनुसार पुलिस द्वारा अपने मुखबिरों को सक्रीय करते हैं इसी बिच सूचना प्राप्त हुईं की रविवार के दोपहर कुल्टी कॉलेज के रास्ते अविनाश सोदपुर की ओर जानें वाला है, नियामतपुर फाड़ी प्रभारी अखिल मुखर्जी के नेतृत्व में एक टीम बनाई गई, जिसमे एसआई बिनय दास के साथ कई पुलिस कर्मियो ने समय ना गंवाते हुए छापामारी की, जिसमे अविनाश को पकड़ लिया गया, वही उसके बताए जगह पर छपामार कर राहुल बाउरी को भी गिरफ़्तार कर लिया गया। पुलिस द्वारा दोनों अपराधियों को पकड़ नियामतपुर फाड़ी लाया गया, उसी बीच अपराधी अविनाश की तबियत बिगड़ी गई, पुलिस ने उसे ज़िला अस्पताल के पुलिस सेल में भर्ती कर दिया, वही आरोपी राहुल को जेल भेज दिया गया।

इस पुरे घटना का मास्टर माइंड मृत्क चौहान के माइक्रो फाइनेंस के मैनेजर और सबसे विश्वासी अविनाश यादव हैं, कम्पनी के कर्मचारी ने मीलकर उमा शंकर चौहान की मडर मिस्ट्री लिख डाली, जिसमे नियामतपुर टहरम बाउरी पाड़ा निवासी दीप बाउरी को शामिल कर उसे एक लाख की सुपारी चौहान के नाम की दी। साथ ही सूटर दीप को फाइनेंस कंपनी मे एक अस्थाई नौकरी देने का भी वादा किया था।

आरोपी अविनाश मृत्क चौहान का काफी करीबी और विश्वासी होने के कारण कंपनी का सारा कार्य वही संभालता था। एक काफी बड़ा रकम हेर फेर इन लोगों ने मीलकर किया था। इस दौरान उमाशंकर ईलाज हेतू वेल्लोर गया, तभी इन लोगो ने अपना प्लान पूर्ण रूप से बना रखा था, बस चौहान का चिनाकुरी पहुंचे का इंतजार ये लोग कर रहे थे। वेल्लोर से चौहान के आने की सूचना अविनाश ने दीया और प्लान के अनुसर दीप मुंह में गमछा लपेट कर चौहान के कार्यलय पहुंचा और पिस्टल निकाल उमाशंकर को मौत के घाट उतार दिया।

पुलिस द्वारा सर्वप्रथम कर्मचारी शिवनाथ रजक को गिरफ़्तार करते हुए उसी रात दीप बाउरी को गिरफ़्तार कर लिया गया। दोनो को रिमांड में लेने के बाद गुत्थी सुलझती चली गई। साथ ही पुलिस को कुछ सबूत और गवाह हाथ लगे। पुलिस ने हत्या मे उपयोग किया पिस्टल भी बरामद कर लिया गया हैं। रविवार की दोपहर में अविनाश और राहुल को भी गिरफ़्तार कर सोमवार की सुबह कोट भेज दिया गया।

मालूम हो कि मृतक श्री चौहान माइक्रो फाइनेंस कंपनी (चिट फंड कमिटी) चलाता था, साथ ही उसका सुद का धंधा भी चलाता था। उनकी हत्या 15, अप्रैल सोमवार को कुछ अपराधियों ने गोली मारकर उसके कार्यलय मे ही मार दिया।

वही सभी हत्यारों के पकड़े जाने पर चीनकुड़ी के लोगो मे काफ़ी खुशी है, नियामतपुर फाड़ी पुलिस की भूमिका को काफ़ी सहारा जा रहा है।

स्वर्ण व्यापारी मनोज बर्मन को जमानत मिली

कोलफील्ड मिरर 07 मई (रानीगंज): आदालत ने रानीगंज क्षेत्र के ईमानदार स्वर्ण व्यापारी मनोज बर्मन को उनके व्यापारी प्रतिद्वंद्वी गणेश साव द्वारा दर्ज किए गए एक मामले में जमानत देने का फैसला किया है। मनोज बर्मन को 3 मई 2024 को रिहा किया गया था। उनके दावे के अनुसार, यह मामला गणेश द्वारा किए गए झूठे आरोप का परिणाम है जिसका उद्देश्य मनोज बर्मन की छवि को क्षति पहुंचाना और नुकसान पहुंचाना है। मनोज का दावा है कि यह झूठा मामला है। वह इस मामले को लड़ेगा और न्यायिक अदालत में सभी आरोपों को खंडन करेगा।

मनोज के अधिवक्ता मनीष शर्मा और यश सिंह चौहान का कहना है कि यह मामला आसनसोल सीजेएम कोर्ट में की गई एक शिकायत के आधार पर शुरू किया गया था। जनवरी 2024 के पहले सप्ताह में लांच हुई इस FIR में पहली गिरफ्तारी अप्रैल 2024 के पहले सप्ताह में हुई वह भी तब जब कोर्ट में वकीलों की हड़ताल चल रही थी। जनवरी में फाइल की गई FIR में अभी तक केवल मात्र दो आरोपी गिरफ्तार हुए हैं और दो अभी तक फरार हैं और चारजसीट भी अभी तक फाइल नहीं की गई है। अधिवक्ताओं का कहना है कि यह मामला हर प्रकार से बे बुनियाद है और उन्हें कोर्ट पर पूरा भरोसा है कि आरोपियों को जल्दी ही न्याय मिलेगा और उन्हें बाइज्जत भारी कर दिया जाएगा।

बताते चलें कि ऐसा पहली बार नहीं है कि गणेश साव ने मनोज बर्मन पर इस प्रकार के गंभीर आरोप लगाए हैं। इसके पहले भी व्यक्तिगत मतभेद के कारण गणेश कई बार मनोज की छवि धूमल करने के लिए उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पर गौरतलाप यह रहा कि आज तक कोई भी आरोप सिद्ध नहीं हो पाया। और सबसे रोचक बात इस मामले में यह है कि गणेश ने मनोज के ऊपर एक फौजदारी मामला तो फाइल कर दिया लेकिन अभी तक उन्होंने एक दीवानी यानी सिविल मामला फाइल कर जमीन वापस लेने के लिए कोई भी मामला अदालत में दाखिल नहीं कर पा रहे हैं। गौरतलाप यह रहा है कि सन 2014 से गणेश साहू विवादित जमीन को अपने नाम पर म्यूटेशन भी नहीं कर पा रहे हैं।

मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक संपन्न

कोलफील्ड मिरर 07 मई (आसनसोल): मंडल रेल प्रबंधक, श्री चेतना नंद सिंह की अध्यक्षता में दामोदर सभाकक्ष में 'मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति' की बैठक आयोजित हुई। सर्वप्रथम अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी सह अपर मंडल रेल प्रबंधक आशीष भारद्वाज ने अध्यक्ष एवं समिति-सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि राजभाषा विभाग सरकारी तंत्र में हिंदी के प्रयोग-प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में सिउड़ी, दुर्गापुर और पानागढ़ जैसे गैर हिंदी भाषी स्टेशनों के कार्मिकों और उनके बच्चों को राजभाषा के मंच से जोड़ा गया। राजभाषा के प्रयोग -प्रसार को बढ़ाने के लिए मंडल कार्यालय की विभागीय टीम को मिल-जुल कर काम

करना पड़ेगा।

राजभाषा अधिकारी डॉ. मधुसूदन दत्त ने मानक कार्यसूची पर चर्चा करते हुए आलोच्य तिमाही में राजभाषा विभाग की उपलब्धियों को क्रमशः सभा पटल पर रखा। हिंदी कार्यशाला, हिंदी कुंजीयन प्रशिक्षण कार्यक्रम, साहित्यिक विचार-गोष्ठी, कार्मिकों के लिए राजभाषा विषयक प्रतियोगिताएं और उनके बच्चों के लिए हिंदी काव्य पाठ प्रतियोगिताओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि उक्त स्टेशनों पर इसका काफी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

मंडल रेल प्रबंधक चेतनानंद सिंह ने राजभाषा विषयक उपलब्धियों पर हर्ष व्यक्त किया और कहा कि आगे और भी बेहतर आयोजन किए जाएंगे। साथ ही राजभाषा विभाग की सक्रियता और प्रतिबद्धता को देखते हुए मेरी अपेक्षाएँ काफी बढ़ गयी हैं। आशा है कि आप और आपकी विभागीय टीम निर्धारित भावी कार्य-योजनाओं को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएगी और बेहतर परिणाम देखने के मिलेंगे। राजभाषा अधिकारी डॉ. मधुसूदन दत्त के धन्यवाद ज्ञापन के बाद बैठक संपन्न हुई।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में राजभाषा विभाग के सर्वश्री दिलीप कुमार पासवान, पुरुषोत्तम कुमार गुप्ता, संजय राउत, अनिल कुमार वर्मा और बिजय कुमार राजभर का सहयोग रहा।

रामनगर कोलियरी की ओर से महीला संस्थान को 10 सिलाई मशीन दीए गए

कोलफील्ड मिरर 07 मई (कुल्टी): सेल के रामनगर कोलियरी की ओर से सीएसआर फंड के माध्यम से स्थानीय महीला संस्थान दोलन बॉउटिक को 10 सिलाई मशीन दीए गए। मुख्य अथिति के रुप में कोलियरी के महाप्रबंधक एमजी अहमद उपस्थित रहे।

श्री अहमद ने कहा कि सीएसआर फंड की ओर से महिलाओं का सशक्तिकरण करने हेतु एक छोटी सी पहल कोलियरी की ओर से की गई. उन्होनें कहा कि रामनगर समुदायिक भवन में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई सेंटर चलाया जा रहा है, जिसमे इस फंड के माध्यम से पहले फेज में 10 सिलाई मशीने दी जा रहीं।

मौके पर सहायक महाप्रबंधक एल तिकदार, एन कुमार, एस कुमार, एमके सिंह, निसिकांत, एस चटर्जी सहित संस्था के महीला कर्मी गण उपस्थित थे।

भाजपा कार्यकर्ताओं पर तृणमूल कार्यकर्ता की पिटाई का आरोप

कोलफील्ड मिरर 07 मई (कांकसा): बीजेपी कार्यकर्ताओं पर एक तृणमूल कार्यकर्ता की पिटाई का आरोप लगा है. सोमवार की सुबह कांकसा के धोबारू गांव में घटना को लेकर सनसनी फैल गयी. आज सुबह करीब 11 बजे प्रभावित तृणमूल कार्यकर्ता ने काकसा थाने की पुलिस से संपर्क कर 2 भाजपा कार्यकर्ताओं पर मारपीट का आरोप लगाया. पीड़ित मनोजीत रॉय ने बताया

कि रविवार को पनागढ़ में ममता बनर्जी की पदयात्रा में शामिल होने के बाद वे जय बांग्ला का नारा लगाते हुए घर लौट रहे थे. तभी इलाके के कई बीजेपी कार्यकर्ताओं ने उन्हें धमकाना शुरू कर दिया. सोमवार की सुबह इसी घटना को लेकर दोनों पक्षों के बीच फिर विवाद शुरू हो गया. इसके बाद मनोजीत रॉय खेतों में काम करने के लिए निकल गये. आरोप है कि वहां बीजेपी कार्यकर्ताओं ने उनके साथ मारपीट की. ग्रामीणों को खबर मिली तो उन्होंने उसे बचाया और पानागढ़ ब्लॉक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गये. वहां इलाज के बाद मनोजीत राय ने कांकसा थाने की पुलिस से दोषियों को सजा देने की मांग की. हालांकि, बीजेपी नेतृत्व ने आरोपों से इनकार किया है.

पश्चिम बर्धमान एकता वेलफेयर सोसाइटी द्वारा शीतल पेयजल शिविर का उद्घाटन

हर इंसान को एक दूसरे के काम आना चाहिए, उनके दुख और दर्द को समझना चाहिए- रोहित नोनिया

कोलफील्ड मिरर 07 मई (नियामतपुर): आसनसोल नगर निगम के वार्ड संख्या 58 स्थित धेमोमेन सतईसा जिटी रोड पर पश्चिम बर्धमान एकता वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा शीतल पेयजल शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम मे उपस्थित ईसीएल सोदपुर कोलियरी के महाप्रबंधक अमितांजन नंदी व तृणमूल के पूर्व पार्षद सह समाजसेवी रोहित नोनिया के द्वारा फीता काटकर किया गया. इस दौरान संस्था की अध्यक्ष परी देवी, सचिव राहुल नोनिया ने उनको पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया. उद्घाटन कार्यक्रम मे ईसीएल के तरफ धेममेन कोलियरी एजेंट आरएन तिवारी, बीएमपी ग्रुप के एजेंट जेपी सिंह, आसनसोल नगर निगम के वार्ड संख्या 58 के तृणमूल पार्षद संजय नोनिया, तृणमूल नेता बिनोद साव, शताब्दी भंडारी, मीर हासिम, राजेश साव, पप्पू सिँह, अरुण भंडारी, सुब्रत भादूरी, सुबल चक्रवर्ती, टुनि लोहिया, अनीता सिंह,

धर्मवीर नोनिया, सुनील भारती, अमर नोनिया, दीपक नोनिया सहित कई गणमान्य व्यक्ति मुख्य रूप से उपस्थित थे.

इस अवसर पर समाजसेवी रोहित नोनिया ने कहा कि आसनसोल मे प्रचंड गर्मी पड़ रही है, प्रतिदिन यहाँ का पारा कभी 45 तो कभी 44 डिग्री के आसपास रहती है, ऐसे मे राह चलते राहगीरों को घर से निकलना मोहाल हो गया है, जिसको देखते हुए पश्चिम बर्धमान एकता वेलफेयर सोसाइटी ने बहुत ही सराहनीय कार्य करने का काम किया है, संस्था ने राहगीरों की प्यास बुझाने व उनके थकान को कुछ हद तक मिटाने के लिए धेमोमेन के सतईसा जिटी रोड पर शीतल पेयजल वितरण शिविर का व्यवस्था किया है, जहाँ शीतल पेयजल के साथ - साथ संस्था द्वारा गुड़, चना और बताशे की भी व्यवस्था किया गया है.

उन्होने कहा कि संस्था की पूरी टीम के द्वारा इस प्रचंड गर्मी मे उठाए गए इस सराहनीय कार्य की तहे दिल से धन्यवाद देते हैं, की उन्होंने आम जनता के लिए ऐसा कदम उठाया है, जो कदम लोगों के लिए इस चिलचिलाती धुप और गर्मी मे बहोत ही लाभकारी साबित होगा.

इस दौरान संस्था की अध्यक्ष परी देवी, समाजसेवी रोहित नोनिया, सुजीत सिँह ने अपने हांथों से लोगों को शीतल पेयजल भी पिलाया और यह कहते हुए नजर आए की हर इंसान को एक दूसरे के काम आना चाहिए, उनके दुख और दर्द को समझना चाहिए ऐसा करने से आपसी भाईचारगी बढ़ती है, जो सिख उनकी पार्टी की नेत्री मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, अभिषेक बनर्जी हमेशा उन्हे सिखाते हैं.

सोसाइटी की अध्यक्षा परी देवी ने बताया कि हमारे संस्था द्वारा पूरे कुल्टी क्षेत्र में 6 स्थानो पर पियाऊ लगाया जाएगा, जो पुरे गर्मी भर रहगीरो को सेवा प्रदान करेगा.

मुनिराजो का सम्मेद शिखरजी से कोलकाता के लिये पद विहार

कोलफील्ड मिरर 07 मई (रानीगंज): दिगम्बर जैन मुनिश्री १०८ विभंजन सागर जी एवं मुनिश्री १०८ विश्विज्ञेय सागर जी मुनिराजो का सम्मेद शिखरजी से कोलकाता के लिये पद -विहार के क्रम में आज आहार चर्या बाजोरिया मार्बल बांसरा मोड़ में सुबह 10 बजे हुआ।

शाम को मुनि श्री का प्रस्थान दुर्गापुर के लिए हुआ। रानीगंज से श्रीमती अर्चना-शालू, श्री अनिल, सम्राट, विनोद, राहुल, साहिल, तरूण, उमंग जैन, श्री ओम प्रकाश जी, राजीव जी बाजोरिया मुख्य रूप से उपस्थित थे।

भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में विभिन्न इलाकों में प्रचार अभियान चलाया गया

कोलफील्ड मिरर 07 मई (बराकर): कुल्टी विधायक डॉ अजय कुमार पोद्दार के नेतृत्व में एसएस अहलूवालिया के समर्थन में वार्ड नंबर 66 के विभिन्न इलाकों में प्रचार अभियान चलाया गया। इस संबंध में बताया जाता है कि लोकसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दल धुआंधार मेहनत कर रहे हैं और लोगों को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रहे हैं। इसी क्रम में बीते देर शाम को कुल्टी के भाजपा विधायक डॉ अजय कुमार पोद्दार के नेतृत्व में आसनसोल नगर निगम के वार्ड नंबर 66 के बलतोडिया तथा रामनगर के विभिन्न इलाकों में जाकर लोगों से भाजपा प्रत्याशी एसएस अहलूवालिया को वोट देने की अपील की गई।

इस दौरान विधायक श्री पोद्दार ने लोगों को केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा की गई सभी उपलब्धियां के बारे में बताया गया। इस दौरान लोगों का भरपूर समर्थन भाजपा कर्मियों को मिल रहा था तथा लोगों ने आश्वासन दिया कि मोदी जी के किए गए विकास कार्यों को देखते हुए जनता मोदी जी के साथ है और भाजपा कर्मी ही नहीं बल्कि हर एक व्यक्ति मोदी जी के 400 के पार वाले आंकड़े को पूरा करने के लिए मेहनत कर रहा है। ताकि एस एस अहलूवालिया को जीत मिलने के बाद मोदी जी का हाथ मजबूत हो सके।

इस अवसर पर दुलाल धीवर, चंदन पासवान, इंद्रजीत पाल, अविनाश तांती बप्पा भंडारी, बबलू राम सहीत अन्य भाजपा समर्थक उपस्थित थे।

गर्मी के मौसम में आसनसोल मंडल पर ठहराव के साथ मैंगलोर और बरौनी जंक्शन के बीच चलेगी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

कोलफील्ड मिरर 07 मई (आसनसोल): गर्मी के मौसम में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ से निपटने के लिए रेलवे ने मैंगलोर और बरौनी जंक्शन के बीच एक साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। 06093 मैंगलोर सेंट्रल - बरौनी जंक्शन साप्ताहिक स्पेशल 05.05.2024 और 30.06.2024 के बीच प्रत्येक रविवार को (09 ट्रिप) 14:15 बजे मैंगलोर सेंट्रल से रवाना होगी और यात्रा के तीसरे दिन 22:30 बजे बरौनी जंक्शन पहुंचेगी तथा 06094 बरौनी जंक्शन-मंगलौर सेंट्रल साप्ताहिक स्पेशल 08.05.2024 और 03.07.2024 के बीच प्रत्येक बुधवार को (09 ट्रिप) बरौनी जंक्शन से 23:45 बजे रवाना होगी और यात्रा के चौथे दिन 12:30 बजे मैंगलोर सेंट्रल पहुंचेगी। उक्त स्पेशल ट्रेन मार्ग में दोनों दिशाओं में पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल के अंतर्गत बराकर, चित्तरंजन, मधुपुर और जसीडीह स्टेशनों पर रुकेगी। इस स्पेशल ट्रेन में सामान्य द्वितीय श्रेणी और शयनयान श्रेणी के डिब्बे होंगे।

आज का राशिफल

07 मई 2024
मंगलवार

कोलफील्ड मिरर

मेष

दिन मिश्रित रूप से फलदायी है. कोई नया काम भी शुरू कर पाएंगे. किसी तरह का कन्फ्यूजन हो सकता है. यात्रा का योग है. वाणी पर संयम रखे. स्वास्थ्य बेहतर रहेगा. कारोबार ठीक चलेगा.

वृषभ

दिन अनुकूल नहीं है. उलझनपूर्ण मानसिकता के कारण महत्वपूर्ण अवसर खो सकते हैं. नए काम शुरू ना करे. कार्यस्थल पर केवल अपने काम से काम रखे. आज किसी से मतभेद हो सकता है.

मिथुन

दिन खुशी में व्यतीत होगा. उत्साह और ताजगी का अनुभव कर सकेंगे. वैवाहिक जीवन में संतोष और शांति प्राप्त कर सकेंगे. वित्तीय लाभ और योजनाओं को पूरा करने के लिए दिन बहुत अच्छा है.

कर्क

दिन मुश्किल भरा रहेगा. परिवार में मतभेद होगा. महत्वपूर्ण निर्णय नहीं ले. विवाद होने की संभावना है. स्वास्थ्य के प्रति सजग रहे. कानूनी मामलों में सजगता के साथ आगे की ओर बढ़ें.

सिंह

दिन बढ़िया रहेगा. लाभ होने की संभावना है. मित्रों से मिलकर लाभ प्राप्त कर सकेंगे. बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा. घर में शुभ कार्य का आयोजन होगा. व्यापार में सफलता प्राप्त कर सकेंगे.

कन्या

दिन अच्छा रहेगा. नए काम की योजनाएं पूरी कर सकेंगे. मान- सम्मान बढ़ेगा. सरकारी कामकाज में सफलता प्राप्त कर सकेंगे. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. पारिवारिक जीवन में सुख और शांति रहेगी.

तुला

दिन उत्तम रहेगा. व्यावसायिक क्षेत्र में लाभ की संभावना है. नौकरी और व्यापार में सहकर्मियों से पूरा सहयोग मिलेगा. लंबी यात्रा पर जाने कार्यक्रम बन सकता है. बौद्धिक क्षेत्र में सक्रिय रहेंगे.

वृश्चिक

दिन मिलाजुला रहेगा. व्यवहार पर काबू रखना आवश्यक है. कार्यस्थल पर किसी के साथ अनावश्यक विवाद हो सकता है. किसी नए काम की शुरुआत ना करें. स्वास्थ्य खराब हो सकता है.

धनु

दिन उत्तम रहेगा. भरपूर मनोरंजन का आनंद उठाएंगे. प्रिय व्यक्ति से मिलकर रोमांच का अनुभव होगा. वैवाहिक जीवन बहुत सुखी रहेगा. नए रिश्ते की शुरुआत हो सकती है. मान-सम्मान बढेगा.

मकर

दिन अच्छा रहेगा. बिजनेस को बढ़ाने के लिए कोई विशेष प्रयास करेंगे. धन के लेन-देन में सरलता रहेगी. उधार देने से बचना चाहिए. घर में शांति का माहौल बना रहेगा. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा.

कुंभ

दिन मिलाजुला रहेगा. कोई भी नया काम शुरू ना करें. जल्दी-जल्दी काम करने से नुकसान उठा सकते हैं. कार्यस्थल पर केवल अपने काम पर ध्यान लगाएं. वाणी पर संयम रखे. यात्रा को टाल दे.

मीन

दिन अच्छा नहीं रहेगा. परिवारवालों के साथ वाद-विवाद होगा. माता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी. किसी बात को लेकर मन परेशान रहेगा. शारीरिक स्वास्थ्य बिगड़ सकता है. वाणी पर संयम रखे.

झारखंड में ईडी की कार्रवाई पर पीएम नरेंद्र मोदी का बयान, कहा- 'झारखंड में नोटों के पहाड़ मिल रहे हैं'

कोलफील्ड मिरर 07 मई (धनबाद): रांची/ झारखंड बीजेपी अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंत्री के पीएस के नौकर के घर छापेमारी को लेकर कल्पना सोरेन पर निशाना साधा है और कहा है कि अब कल्पना सोरेन ये कहना बंद कर देंगी कि हेमंत सोरेन का अपराध क्या है।

उन्होंने कहा, झारखंड सरकार के कांग्रेसी मंत्री आलमगिर आलम के निजी सचिव के नौकर के यहाँ से ईडी ने लगभग 25 करोड़ रुपये बरामद किए हैं। दो दिन पहले प्रधानमंत्री जी जेएमएम - कांग्रेस के जिस 'लूट मॉडल' की बात कर रहे थे, उसे इन रुपयों ने सत्यापित कर दिया है। लगता है गरीबों, दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों के हक़ मारकर लुटे हुए इन्हीं पैसों से कांग्रेस अपने शहजादे को प्रधानमंत्री बनाने का सपना देख रही है।

उन्होंने कहा कि ईडी, सीबीआई के दुरुपयोग की दुहाई देने वाली जेएमएम - कांग्रेस जनता के सामने अब कौन सा नया बहाना बनाएगी? धीरज साहू से लेकर आलमगीर आलम और पंकज मिश्रा से लेकर पूजा सिंघल तक के ठिकानों से जिस प्रकार अथाह काले धन बरामद हुए हैं, उससे पिछले 5 सालों के दौरान राज्य सरकार द्वारा की गई संगठित लूट जगजाहिर हो चुकी है। सोचिये कि झारखंड में एक मंत्री के पीए के नौकर के यहाँ पच्चीस करोड़ नगद मिल सकता है तो दूसरे और मंत्रियों ने ग़रीबों की गाढ़ी कमाई और कितना लूट कर नौकर चाकरों तक के यहाँ छुपा कर रखा हुआ है ? हमें लगता है कि कल्पना सोरेन जी अब घड़ियाली आंसू बहाना और यह कहना बंद कर देंगी कि हेमंत सोरेन का अपराध क्या है।

हाड़ी जाति समाज सुधार समिति का पदभार ग्रहण समारोह आयोजित

कोलफील्ड मिरर 07 मई (धनबाद): आजाद नगर (जोड़ा पोखर) में सामाजिक संस्था हाड़ी जाति सुधार समिति पदभार ग्रहण समारोह का आयोजन सोमवार को किया गया। संगठन के जिलाध्यक्ष राजू हाड़ी, झरिया प्रखंड के कार्यकारी अध्यक्ष प्रकाश हाड़ी, संगठन सचिव पेंटर हाड़ी, कार्यालय सचिव आशीष हाड़ी, कोषाध्यक्ष शिबू हाड़ी, उप संगठन सचिव राजू हाड़ी व सक्रिय सदस्य अजय हाड़ी को बनाया गया सभी नव मनोनीत युवाओं को माला पहनकर समिति में स्वागत किया गया। कार्यक्रम का आरंभ बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के फोटो पर माल्यार्पण करके की गई। कार्तिक हाड़ी ने कहा कि समिति में सभी जो मनोनीत युवा अपने-अपने पदों का समाज के उत्थान सहित में ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करें। तथा निकट आने वाले लोकसभा चुनाव में समाज के सभी लोगों को मतदान करने की अपील की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भोला हाड़ी, कोषाध्यक्ष विजय हाड़ी, कार्यालय सचिव नारायण हाड़ी, संगठन सचिव डब्लू हाड़ी, अप संगठन सचिव बादल हाड़ी, मीडिया प्रभारी अमित हाड़ी, सूचना मंत्री विकास हाड़ी वह सिद्धार्थ हाड़ी आदि मौजूद थें।

ऑफिसर्स क्लब भौरा के प्रांगण में लोकसभा चुनाव को लेकर आवश्यक बैठक

कोलफील्ड मिरर 07 मई (धनबाद): भौरा, सचेतक सह झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह की उपस्थिति में ऑफिसर्स क्लब भौरा के प्रांगण में लोकसभा चुनाव को लेकर आवश्यक बैठक हुई। इस बैठक की अध्यक्षता सुबोध सिंह द्वारा किया गया। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुई माननीय झरिया विधायक ने रघुकुल यूथ ब्रिगेड के उपस्थित सदस्यों को संबोधित करते हुए लोकसभा चुनाव 2024 की कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती अनुपमा सिंह के पक्ष में मतदान कर भारी से भारी मतों से विजय बनाने की अपील की तथा रघुकुल समर्थकों का हौसला बढ़ाया। इस दौरान दर्जनों लोगो ने माननीय विधायक के मौजूदगी में रघुकुल का दामन थामा तथा विधायक जी ने सभी को फूल माला भेट कर स्वागत किया। रघुकुल यूथ ब्रिगेड में शामिल नए लोगों में कमल सिंह, शुभम रवानी, रवि रजक, तारा कुमार मोहली, शबीर अंसारी, नसीर खान, शकील अंसारी, इकबाल अंसारी, आबिद अंसारी, इफ्तिकार अंसारी प्रमुख हैं। साथ ही दिनांक 11 मई को भौरा बड़ा बंगला मैदान में कांग्रेस प्रत्याशी के उपस्थिति में होने वाली विशाल सभा के आयोजन के संबंध में भी चर्चा हुई। बैठक के दौरान वरिष्ठ कांग्रेसी सतीश रजक, अभिषेक सिंह, चंद्रावती देवी तथा निवर्तमान पार्षद चंदन महतो ने संबोधित करते हुए माननीय विधायक जी के नेतृत्व में कांग्रेस प्रत्याशी को समर्थन करने का आह्वान किया। बैठक में विधायक प्रतिनिधि सूरज सिंह, शेख अमजद, बबलू दुबे, सुनील पासवान, हरेंद्र यादव, विक्की रवानी, मो० आलम, राजीव सिन्हा, राजू यादव, रोहित विश्वकर्मा, गुलशन सरकार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

जीत का दावा कर पप्पू यादव ने कहा, पूर्णिया लोकसभा सीट लिखेगा इतिहास

कोलफील्ड मिरर 07 मई (धनबाद): बिहार राज्य के पूर्णिया से निर्दलीय प्रत्याशी पप्पू यादव ने अपनी जीत का दावा किया है, उन्होंने धनबाद में कहा कि पूर्णिया लोकसभा सीट इस बार इतिहास लिखेगा,

पूर्णिया से निर्दलीय प्रत्याशी पप्पू यादव सोमवार को पूर्व सांसद पप्पू यादव धनबाद पहुंचे, इस दौरान पॉलिटेक्निक स्थित खटाल के यादव समाज के लोगों ने उनका स्वागत किया,

पूर्णिया सीट को उन्होंने वर्ल्ड का हॉट सीट बताया है, साथ ही कहा कि वायनाड में भी चुनाव हो रहा था. लेकिन देशभर में चर्चा सिर्फ बिहार की पूर्णिया लोकसभा चुनाव की थी, चार जून के बाद यहां के लिए इतिहास लिखा जाएगा, मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि नो मनी, नो मसल लोगों के दिल पर राज किए हैं, लोगों ने दिल दिया है और देश के 130 करोड़ लोगों ने अपना आशीर्वाद दिया है, पूरा का पूरा वर्ल्ड का हॉट शीट पूर्णिया, वायनाड का चुनाव था लेकिन चर्चा पूर्णिया सीट की चल रही थी, उन्होंने कहा एक बार फिर से इलाहाबाद का इतिहास पूर्णिया लिखेगा,

पहली बार पूर्णिया चुनाव के दौरान नो बैकवर्ड फॉरवर्ड, न कोई कास्ट सिस्टम, सारे लोग एक पूर्णिया की धरती और खून, सीमांचल कोसी और मिथिला की आजादी की लड़ाई है, यह सांसद का चुनाव नहीं था. चार जून के बाद पूर्णिया लोकसभा का इतिहास लिखा जाएगा, पूर्णिया सीट पर राजद प्रत्याशी के खड़े रहने पर उन्होंने कहा कि जो बीत गई वह बात गई. राजद भी हमारे साथ खड़ा है, अब हमलोग राहुल गांधी को पीएम बनने के लिए निकले हैं,

बता दें कि पूर्णिया लोकसभा सीट का चुनाव सम्पन्न हो चुका है. इस लोकसभा सीट से महागठबंधन में यह सीट राजद के खाते में गई थी. जिसके लिए राजद ने अपना प्रत्याशी उतारा और चुनाव लड़ाया. वहीं दूसरी ओर पप्पू यादव भी यहां से निर्दलीय चुनावी मैदान में उतरे थे. वह कांग्रेस का समर्थन भी कर रहे है. इसलिए पप्पू यादव इस सीट को हॉट सीट बता रहे है वह इस अंदाज में बोल रहे थे जैसे उनकी जीत सुनिश्चित है और महागठबंधन की हार. लेकिन जीत चाहे पप्पू यादव की हो या फिर महागठबंधन के प्रत्याशी की, फायदा कांग्रेस की ही होगी. क्योंकि पप्पू यादव राहुल गांधी को पीएम बनाने की बात कह रहे है और धनबाद जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जन संपर्क व नुक्कड़ सभा कर कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह को जिताने के लिए लोगों से वोट देने की अपील की।

दुर्घटनाओं के मामले में जल्द हो मुआवजा का भुगतान जिला जज ने इंश्योरेंस कंपनियों को दिया निर्देश

कोलफील्ड मिरर 07 मई (धनबाद): झारखंड विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा सिविल कोर्ट धनबाद में आठ जून 24 को एक दिवसीय मोटर यान दुर्घटना दावा से संबंधित मुकदमों के निपटारे के लिए स्पेशल लोक अदालत का आयोजन किया गया है। जिसको लेकर व्यापक स्तर पर तैयारी चल रही है। इसी कड़ी में सोमवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार के चेयरमैन सह धनबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राम शर्मा ने इंश्योरेंस कंपनी के अधिकारियों, अधिवक्ताओं के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने इंश्योरेंस कंपनियों को निर्देश दिया कि ज्यादा से ज्यादा विवादों का निपटारा नेशनल लोक अदालत में कराएं ताकि पक्षकारों को परेशानी ना हो, और उन्हें उचित मुआवजा मिल सके। बैठक के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने ढीले ढाले रवैया के कारण इंश्योरेंस कंपनी के अधिकारियों को फटकार भी लगाई। इस बाबत जानकारी देते हुए प्राधिकार के सचिव सह अवर न्यायाधीश राकेश रोशन ने बताया कि 8 जून को मोटर यान दुर्घटना दावा अधिनियम के मामलों के निपटारे के लिए विशेष लोक अदालत लगाई गई है जिसके लिए 3 जून से लेकर 7 जून तक प्री सिटिंग बैठक भी आयोजित की गई है। न्यायिक पदाधिकारी को भी जिला जज ने निर्देश दिया है कि वह मोटर यान दुर्घटना दावा के वैसे मामलों को चिन्हित करें जिनका निपटारा लोक अदालत में किया जा सकता है उन्होंने डालसा को नोटिस तामिल करने की जिम्मेदारी सौंपी है इस मौके पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रजनीकांत पाठक, प्रभाकर सिंह, सुजीत कुमार सिंह, डी सी अवस्थी, स्वयंभू, कुलदीप, नीरज विश्वकर्मा, एस एन मिश्रा, प्रफुल्ल कुमार, संजय कुमार सिंह, साकेत कुमार, अंजनी अनुज, पारस कुमार सिन्हा, राकेश कुमार, इंश्योरेंस कंपनी के अधिकारी, अधिवक्ता थे।

जिसके हाथ में कमल का निशान हैं वह भारतीय जनता पार्टी का प्रत्याशी है: अमर बाउरी

कोलफील्ड मिरर 07 मई (धनबाद): झरिया अग्रवाल धर्मशाला में सोमवार को झरिया अग्रवाल धर्मशाला में शक्ति केंद्र कार्यकर्ता सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बैठक में भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा लोक सभा चुनाव में भाजपा को ऐतिहासिक मतों से जिताने का संकल्प लिया। भाजपा के नेता नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता पूरे समर्पण भाव से समाज के लिए कार्य करता है। जनता के बीच हमलोग नरेंद्र मोदी की गारंटी को लेकर जा रहा हैं। जिसके हाथों में कमल का निशान हैं वह भारतीय जनता पार्टी का प्रत्याशी है। आने वाले विधानसभा चुनाव में भी झरिया से कमल खिलेगा। उन्होंने बूथ के पदाधिकारीयों को सक्रिय करते

हुए वोटर्स से संपर्क करने को कहा। भारतीय जनता पार्टी को ऐतिहासिक विजय दिलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने देश को सुदृढ़ करने की दिशा में ऐतिहासिक निर्णय लिए है। धारा 370, राम मंदिर निर्माण सहित देश का विश्व की आर्थिक महाशक्ति के रूप में निरन्तर बढ़ना अनेकों निर्णय है जहाँ आज भारत का सम्मान बढ़ा है। कांग्रेस ने साढ़े चार साल में गठबंधन की सरकार में सिर्फ झारखंड में भ्रष्टाचार और दोहन ही किया है। उन्होंने कहा कि आज देश की दिशा में आगे बढ़ रहा है। जो राम को लाए है हम उनको लाएंगे। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रागिनी सिंह ने कहा कि मोदी जी ने सैंकड़ों विकास कार्य किए हैं उन्हें जन जन तक पहुंचाना है। झरिया में पिछले लोकसभा चुनाव से बढ़कर वोट मिलेगा। भाजपा को वोट देकर नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करना है। ताकि देश का विकास हो सके। पार्टी कार्यकर्ता बूथ स्तर पर लगे हैं, उन्ही के बदौलत ही पार्टी का परचम लहराता है। इस दौरान मौके पर प्रदेश मंत्री सरोज सिंह जिला अध्यक्ष श्रवण राय लोकसभा चुनाव प्रभारी सुरेश साव सतेंद्र कुमार राजकुमार अग्रवाल संजीव अग्रवाल, उमेश यादव, राज किशोर जैना, अरुण साव, संतोष शर्मा, अभिषेक पाण्डेय, सुजीत सिंह, राजाराम पासवान के अलावा मंडल पदाधिकारी मार्च अध्यक्ष शक्ति केंद्र के प्रभारी और संयोजक सह संयोजक एवं झरिया विधानसभा में रहने वाले वरिष्ठ कनिष्ठ कार्यकर्ता गण मौजूद थे।

कैंडल जलाकर, रंगोली बनाकर मतदाताओं को किया जागरूक

कोलफील्ड मिरर 07 मई (धनबाद): संध्या धनबाद प्रखण्ड अन्तर्गत मुनीडीह बाजार के इंदिरा चौक में स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाताओं को जागरूक करने के लिए कैंडल जलाकर एवं रंगोली बनाकर आम नागरिकों को मतदान करने के लिए शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर ग्राम पंचायत दुबराजडीह एवं बरडुभी के मुखिया रमेश कुमार सिंह तथा श्री मनोज कुमार सिंह, पंचायत समिति सदस्य सुधीर कुमार सिंह, राजकीय मध्य विद्यालय के प्रधानाचार्य चन्द्रदेव प्रसाद, सहायक शिक्षक राजु कुमार, बूथ संख्या 449 की बीएलओ शीला सिंह, बूथ संख्या 443 की उषा देवी, बूथ संख्या 442 की रेशमी देवी, ग्राम रोजगार सेवक इनायतुल्लाह, जेएसएलपीएस की स्नेह लता भारती के अलावा बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर प्रखण्ड पंचायत राज पदाधिकारी श्री मधुसूदन पासवान ने 25 मई को सभी से अपने - अपने मतदान केंद्रों पर जाकर निर्भीक होकर मतदान करने की अपील की।

8 मई से शुरू होगी पोस्टल बैलेट से मतदान करने की प्रक्रिया

कोलफील्ड मिरर 07 मई (धनबाद): जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा के निर्देश पर लोकसभा चुनाव के दौरान चुनावी कार्य में लगे कर्मी तथा आवश्यक सेवा के कर्मियों के लिए पोस्टल बैलेट से मतदान करने की प्रक्रिया शुरू होगी। सभी सुविधा केन्द्र पर सुबह 9:00 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान का समय निर्धारित है। 8, 9 एवं 10 मई को निर्वाची पदाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय एवं पुलिस लाइन में सिंहभूम, खूंटी, लोहरदगा व पलामू लोकसभा क्षेत्र, 13 व 14 मई को चतरा, कोडरमा व हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र तथा 27 एवं 28 मई 2024 को राजमहल, दुमका तथा गोड्डा लोकसभा क्षेत्र के तहत चुनावी कार्य में लगे तथा आवश्यक सेवा में लगे कर्मी मतदान करेंगे। वहीं 14, 15, 16, 17 एवं 18 मई को पीके रॉय मेमोरियल कॉलेज, एसएसएलएनटी महिला कॉलेज, गुरु नानक कॉलेज, पुलिस लाइन, जैप 3 गोविंदपुर, रेलवे पुलिस लाइन तथा निर्वाची पदाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय में गिरिडीह, धनबाद, रांची तथा जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र के तहत चुनावी कार्य में लगे तथा आवश्यक सेवा में लगे कर्मी मतदान करेंगे। सिविल सर्जन कार्यालय में 17 एवं 18 मई, 22 एवं 23 मई को गोल्फ ग्राउंड में वाहन चालक, उपचालक, परिवहन कोषांग के कर्मियों के लिए, 24 मई 2024 को आवश्यक सेवा के छुटे कर्मी धनबाद पॉलिटेक्निक, कृषि बाजार समिति एवं निरसा पॉलिटेक्निक में पोस्टल बैलेट से मतदान कर सकेंगे।

चाचा के श्राध्द में शामिल होने जेल से घर पहुंचे हेमंत सोरेन

कोलफील्ड मिरर 07 मई (धनबाद): रांची/ झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आज जमानत पर जेल से बाहर आये हैं। बाहर निकलते ही सबसे पहले उन्होंने अपने माता-पिता को प्रणाम कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान मां रूपी सोरेन भावुक दिखी। उनके साथ पत्नी कल्पना सोरेन भी मौजूद रही।

पूर्व मुख्यमंत्री का लुक भी अलग दिखा। इसके बाद चाचा के श्राद्ध कर्म में शामिल होने पैतृक गांव नेमरा के लिए रवाना हो गये। कोर्ट ने उन्हें पुलिस कस्टडी में चाचा के श्राद्ध कर्म में शामिल होने के लिए अनुमति दी है। जिसके बाद उन्हें वापस होटवार जेल लौटना है। यहां याद दिला दें कि कुछ दिन पहले ही रांची में शिबू सोरेन के बड़े भाई राजाराम सोरेन का निधन हुआ था। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। चाचा के श्राद्ध कर्म में शामिल होने के लिए हेमंत सोरेन ने कोर्ट से 13 दिनों के अंतरिम जमानत की मांग की थी। जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था। श्राद्ध कर्म में शामिल होने के लिए उन्हें केवल एक दिन की पुलिस कस्टडी में जमानत दी गई है।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होके एक स्कूटी से जा टकराई

कोलफील्ड मिरर 07 मई (धनबाद): शहर के गोल बिल्डिंग से कतरास मोमको मोड़ जाने वाली 8 लेन सड़क पर असर्फी अस्पताल और बिरसा मुंडा पार्क के बीच सोमवार की दोपहर को एक बड़ा हादसा हुआ, एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होने के बाद स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी, इस हादसे में स्कूटी पर सवार दो सगी बहनों की मौके पर ही मौत हो गई, हादसे में स्कॉर्पियो पूरी तरह से सड़क पर पलट गई,

डीएसपी संदीप गुप्ता ने बताया कि बिरसा मुंडा पार्क की तरफ से एक स्कॉर्पियो तेज रफ्तार में भूली की तरफ जा रही थी, असर्फी हॉस्पिटल से पहले अचानक एक स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर भूली से मेमको मोड़ जाने वाली सड़क में घुस गई, इससे पहले की स्कॉर्पियो नियंत्रित हो पाती, स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी.

स्कूटी को टक्कर मारने के बाद स्कोर्पियो पूरी तरह से पलट गई, इस हादसे में स्कूटी पर सवार दो सगी बहनों की मौके पर ही मौत हो गई है, धैया की रहने वाली दोनों बहने भूली से पढ़ाई के बाद स्कूटी पर सवार होकर अपने घर वापस लौट रही थी, इस दौरान यह दुर्घटना हुआ है, मृत सगी बहनों के नाम इशिका होरो और जिया होरो है. इशिका बड़ी बहन थी, जिया नाबालिग थी,

वहीं, घटना के बाद स्कॉर्पियो में सवार दो लड़कों को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया, घटना के वक्त लोग काफी थे. कुछ प्रबुद्ध जनों ने दोनों लड़कों एक जगह बंद करके रखा था, पुलिस के पहुंचने के बाद दोनों लड़कों को पुलिस के हवाले कर दिया गया, दोनों लड़कों के नाम प्रदीप मंडल और राजीव कुमार भारती है, बताया जा रहा है कि ये लोग धनसार थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं, पुलिस ने दोनों शव को पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अब मंत्री आलमगीर आलम तक ईडी की जांच की आंच

कोलफील्ड मिरर 07 मई (धनबाद): रांची/ ईडी की जांच की आंच से झारखंड के एक और मंत्री आलमगीर आलम तक जा पहुंची है। ईडी ने उनके सरकारी सचिव संजीव लाल के नौकर के घर से मोटी रकम मिली है। नोटों के बंडल गिनने के लिए मशीन लाई गई। वहीं 12 बड़े-बड़े बक्से मंगाये गये। संजीव लाल के एक करीबी मुन्ना सिंह के घर से भी करोड़ों रुपये मिले हैं। मुन्ना सिंह के कई रियल स्टेट के प्रोजेक्ट राजधानी रांची के पीपी कंपाउंड में चल रहे हैं। मुन्ना सिंह के कई किस्से हैं। इसके गहरे ताल्लुकात एक होटल के बड़े व्यापारी से भी है।

सूत्रों का दावा है कि अगर ईडी तह तक गई तो मुन्ना सिंह के बारे में कई चौंकाने वाली जानकारी सामने आ सकती है। संजीव लाल के नौकर के घर से मिले करोड़ों रुपये की गिनती पूरी नहीं हो सकी है। अब तक कितने रुपये मिले इसका आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। चर्चा 25-30 करोड़ रुपये मिलने की है। इससे पहले कांग्रेसी नेता धीरज साहू के ठिकानों में करोड़ों रुपये मिले थे। इस बीच झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम ने मीडिया से कहा कि संजीव लाल पहले से ही दो पूर्व मंत्रियों के निजी सचिव रह चुके हैं। ईडी की जांच पूरी होने से पहले कुछ भी बोलना जल्दबाजी होगी।

मासस प्रत्याशी पहुंचे वासेपुर, मांगा आशीर्वाद

कोलफील्ड मिरर 07 मई (धनबाद): नामांकन दाखिल करने के बाद मासस प्रत्याशी जगदीश रवानी ने अपना दौरा तेज कर दिया है। वे मतदाताओ से मिल कर अपने पक्ष में मतदान करने की भी अपील कर रहे हैं। रविवार की देर रात मासस प्रत्याशी का काफिला मुस्लिम बहुल क्षेत्र वासेपुर पहुंचा। वे यहां ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस झारखंड अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मुख्तार अहमद के आवास पहुंचे और मासस के पक्ष में वोट करने की अपील की। इस दैरान श्री अहमद ने प्रत्याशी को पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत अभिनंदन किया। दोनो नेताओं के बीच लंबी बातचीत का दौर चला। इस दौरान जगदीश रवानी ने कहा कि कांग्रेस मुसलमानों को केवल वोट बैंक बना कर इस्तेमाल कर रही है। वहीं भाजपा भी मुसलमानों के खिलाफ आग उगल रही है। ऐसे में मासस एक बढ़िया विकल्प है। उन्होंने कहा कि अगर वे चुनाव जीते तो धनबाद का नक्शा बदल देंगे। इस मौके पर डॉ संजय कुमार रजक, आमिश खान, शादाब आलम, नुमान, मनव्वर, आरिफ, तनवीर आदि मौजूद थे।

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL—713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

धनबाद लोकसभा प्रत्याशी इक़लाख़ अंसारी ने नामांकन पत्र दाखिल किया

कोलफील्ड मिरर 07 मई (धनबाद): झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति व झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के धनबाद लोकसभा प्रत्याशी इक़लाख़ अंसारी ने आज 6 मई को उपायुक्त कार्यालय धनबाद में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया इस संदर्भ में जानकारी देते हुए झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के धनबाद जिला मिडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो ने कहा कि झारखंडी भाषा, खतियान, नियोजन नियमावली में संशोधन, स्थानीय नीति जैसे मुद्दों के आंदोलन से बने पार्टी झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने धनबाद लोकसभा क्षेत्र में झारखंड की राजनीति में उभरते हुए नाम धनबाद जिले के गोविंदपुर प्रखंड परासी पंचायत के स्थानीय निवासी इक़लाख़ अंसारी को उम्मीदवार पार्टी संगठन के सुप्रीमों अध्यक्ष टाईगर जयराम महतो ने उम्मीदवार घोषित किया है। जो स्थानीय और झारखंडी मुद्दों की लड़ाई लड़ रहें हैं, धनबाद जिला मिडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो ने बताया कि कोयलांचल धनबाद लोकसभा क्षेत्र के स्थानीय खतियानी शिक्षित क्रांतिकारी युवाओं ने लोकसभा चुनाव 2024 में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर दिया है। धनबाद लोकसभा में बदलाव तय है। आज के नामांकन कार्यक्रम में झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति व झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के झारखंडी यौद्धा, पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रकाश विश्वकर्मा, महासचिव सह धनबाद लोकसभा प्रभारी शंकर महतो, धनबाद जिला मिडिया प्रभारी रंजीत कुमार महतो, केंद्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा छोटा टाइगर छोटू रजक, जिला उपाध्यक्ष युवा मोर्चा प्रेम रजक, बरवाअड्डा ज़ोन अध्यक्ष हरेंद्र रजक, जिला कोषाध्यक्ष पप्पू पहाड़ी महतो, शक्ति महतो, पार्टी के सभी केंद्रीय प्रवक्ता, प्रभारी, पदाधिकारियों के साथ साथ हजारों समर्थकों ने धनबाद लोकसभा प्रत्याशी इक़लाख़ अंसारी को बहुमत वोटों के अंतर से लोकसभा में प्रचंड जीत की अग्रिम शुभकामनाएं दी।

अंतिम दिन 10 उम्मीदवारों ने किया नामांकन

कोलफील्ड मिरर 07 मई (धनबाद): लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन के अंतिम दिन जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा के समक्ष 10 उम्मीदवारों ने नामांकन किया। नामांकन के दौरान सामान्य प्रेक्षक श्री अनूप खिनची निर्वाचन पदाधिकारी के कक्ष में मौजूद थे।

आज मोहम्मद एकलाक अंसारी, तुलसी महतो, निताई दत्ता, हीरा लाल शंखवार, मोहम्मद फैसल खान, मोहन सिंह, मोहम्मद तफाजुल हुसैन, अकबर अली, त्रिदेव कुमार महतो तथा गौतम कुमार महतो ने नामांकन किया।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि 7 मई को सुबह 11:00 बजे से नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी शुरू की जाएगी। वहीं 9 मई 2024 को दोपहर 3:00 बजे तक नाम वापस लेने की अंतिम तिथि निर्धारित है। धनबाद में 25 मई को सुबह 7 बजे से संध्या 5 बजे तक मतदान निर्धारित है। 4 जून 2024 को मतगणना तथा 6 जून को चुनाव की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

नामांकन के दौरान सामान्य प्रेक्षक श्री अनूप खिनची, उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा, अपर समाहर्ता श्री विनोद कुमार, निदेशक डीआरडीए श्री राजीव रंजन, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्री प्रदीप कुमार शुक्ला व अन्य लोग मौजूद थे।

विनाशक पर्यावरण प्रदूषण और उष्णता से झुलसता देश

दिल्ली में स्थाई समाधान की बाट जोहते नागरिक?

कोलफील्ड मिरर 07 मई 2024: अब सिर्फ इसी की कसर रह गई थी कि भारत का दिल, देश की राजनीति का केंद्र और ब्यूरोक्रेट्स की नगरी दिल्ली विश्व में सर्वाधिक प्रदूषित शहर माना जा रहा है। विडंबना है कि गाजा में इजरायली की बमबारी के बाद जितना प्रदूषण वहां हुआ है उससे कहीं ज्यादा वर्तमान में दिल्ली में फैला हुआ है। दिल्ली के बाद बांग्लादेश का ढाका शहर सर्वाधिक प्रदूषित माना जाता है। दिल्ली में कई सरकारें आई और गइं, केंद्र में भी ऐसा ही हुआ है पर दोनों सरकारें एक दूसरे पर दोषा-रोपण कर अपनी इति श्री कर लेती है। इसका स्थाई समाधान आज तक कोई नहीं खोज पाया और नतीजा दिल्ली शहर के बच्चे और बुजुर्ग फेफड़े और सांस की बीमारी से त्रस्त हो चुके हैं।

दिल्ली का वायु प्रदूषण करोना से भी ज्यादा स्थाई खतरा माना जा रहा है। बच्चे और बुजुर्गों के लिए खासकर उनकी स्वास नलियों तथा फेफड़ों में प्रदूषण के छोटे-छोटे कणों से उनके वायु तंत्र को अवरुद्ध कर कर उन्हें बीमार बना देते हैं। यह एक गंभीर समस्या है। पर्यावरण प्रदूषण खासकर वायु प्रदूषण के कारण दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मुंबई, कोलकाता और अन्य राज्यों की राजधानी में खासकर शीतकाल में अत्यंत चिंताजनक स्थिति पैदा हो जाती है। गर्मियों में प्रदूषण तथा गर्मी लोगों को बुरी तरह संक्रमित करती है।

दिल्ली तथा उत्तर प्रदेश के 8 बड़े शहर का पर्यावरण प्रदूषण खासकर वायु प्रदूषण खतरे के निशान से काफी ऊपर जा चुका है, अस्थमा तथा फेफड़े की बीमारियों के मरीज की संख्या में बहुत ज्यादा इजाफा हुआ है और सरकारें इसे संभाल नहीं पा रही है, पूर्व में कोविड-19 का संक्रमण वायु प्रदूषण के साथ जुगलबंदी कर लोगों की जान ले रहा था। वायु प्रदूषण स्थाई समस्या है यह करोना से भी ज्यादा खतरनाक हो सकता है। करोना का इलाज तो वैक्सीनेशन से किया जा सकता है, एवं उसकी दवाई बनाई जा सकती है, और बनाई भी जा रही है। पर वायु प्रदूषण, पर्यावरण की गंभीर समस्या जिस पर यदि लगाम नहीं लगाई गई तो लाखों लोगों को सांस की बीमारियों से बचाया नहीं जा सकेगा।

समग्र रूप से पर्यावरण में अपशिष्ट पदार्थों का बिगड़े अनुपात में मिलना ही प्रदूषण को वातावरण में जन्म देता है। वैसे तो प्रदूषण के कई प्रकार हैं, जैसे वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, भूमि प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण आदि इत्यादि।

पर वायु प्रदूषण इन सब में सर्वाधिक खतरनाक और मानवीय जीवन के लिए संहारक है। वायु में विषैली गैस के मिश्रण धूल और उद्योग द्वारा फैलाए गए जहरीले अपशिष्ट गैसों से वायु प्रदूषण तेजी से फैलता है। अमेरिकी शोध संस्थान द्वारा स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गई है कि भारत में वायु प्रदूषण से जनसंख्या के 40 से 45 प्रतिशत लोग प्रभावित हैं। एवं वायु प्रदूषण के कारण संपूर्ण जीवन में जीने के लिए 10 से 15 वर्ष तक उनकी जिंदगी के कम हो सकते हैं। क्योंकि भारत वैश्विक देशों से सर्वाधिक वायु प्रदूषित देश माना जाता है। इस शोध संस्थान द्वारा चेतावनी के साथ मशवरा भी दिया गया है कि वायु प्रदूषण को तत्काल कम करने के कारगर उपाय करने होंगे अन्यथा देश के बड़े शहरों में और उद्योग नगरी के साथ में बसे हुए शहरों में वायु प्रदूषण से मानव जिंदगी को खतरे बढ़ सकते हैं। भारत में दिल्ली,मुंबई,कोलकाता, चेन्नई तथा मध्यम जनसंख्या वाले लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, रायपुर, इंदौर तथा उत्तर प्रदेश के अन्य शहरों में वायु प्रदूषण के कारण ज्यादा दमा तथा अस्थमा से मौतें हुई हैं। करोना काल में भी वायु प्रदूषण से फेफड़े खराब होने के कारण कई मरीजों की विषम परिस्थितियों में मृत्यु हुई है। कोविड-19 के संक्रमण से सबसे ज्यादा मरने वाले व्यक्तियों में वायु प्रदूषित व्यक्ति ही फेफड़ों की खराबी के कारण मृत्यु को प्राप्त हुए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत का औसत हवा में प्रदूषण कारी सूक्ष्म कणों की मौजूदगी 70.3% है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा स्वस्थ वायु प्रदूषण की मानक की स्थिति 10 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर मानी गई है। इस तरह भारत मैं प्रदूषण के महीन कणों की उपस्थिति विश्व के अन्य देशों की तुलना में 7 गुना प्रति क्यूबिक मीटर ज्यादा आंकी गई है। जो कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अति खतरनाक बताई गई है। इस तरह भारत दुनिया का सबसे प्रदूषित देश माना गया है। यहां जनसंख्या के 48 करोड़ लोग वायु संक्रमित पाए गए हैं इस तरह देश की लगभग 40% आबादी जहां वायु प्रदूषण का स्तर एवं अन्य प्रदूषण का स्तर भी नियमित रूप से दुनिया में कहीं भी पाए जाने वाले स्तर से बहुत अधिक है। जोकि स्वास्थ्य संगठनों की नजरों में बहुत ही चिंतनीय एवं गंभीर है। अमेरिका के एक शहर शिकागो में स्थित एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट ऑफ पोलूशन द्वारा बताया गया है कि दिल्ली और उत्तरी भारत में रहने वाले 48 करोड़ से ज्यादा लोग प्रदूषण के बढ़े हुए स्तर पर जल प्रदूषण में जी रहे हैं। प्रदूषण जो कोविड-19 के संक्रमण से भी ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि कोविड-19 का संक्रमण एक संक्रामक रोग है, जिसकी वैक्सीन लगाकर रोकथाम की जा सकती है। पर पर्यावरण में प्रदूषित करने वाले सूक्ष्म पार्टिकल समान रूप से सभी नागरिकों को अपनी गिरफ्त में लेकर उनके फेफड़े खराब करने का काम करता है जो ज्यादा खतरनाक एवं जानलेवा है। मनुष्य स्वाभाविक रूप से प्रकृति पर निर्भर है। प्रकृति पर उसकी निर्भरता तो समाप्त नहीं की जा सकती है। किंतु प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करते समय हमें इस बात का ध्यान रखना पड़ेगा इसका प्रतिकूल प्रभाव पर्यावरण पर ना पड़े या कम से कम पड़े। हमें उद्योगों की संख्या के अनुसार उसी अनुपात में बड़ी संख्या में वृक्षारोपण भी करना पड़ेगा। वृक्षारोपण आज पर्यावरण से बचाने की एक बड़ी तथा महती आवश्यकता है। वातावरण में घुली विषैली गैस होने के कारण शहर में मनुष्य का सांस लेना भी मुश्किल होता जा रहा है। विश्व की जलवायु में तेजी से हो रहे परिवर्तन के कारण पर्यावरण असंतुलन का बड़ा कारण वायु प्रदूषण ही है। औद्योगिक प्रगति के साथ-साथ मोटर, रेल,घरेलू, औद्योगिक मशीनें एयर कंडीशन आदि वायु प्रदूषण के लिए अत्यंत खतरनाक माने गए हैं। परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय स्तर पर और देश के नागरिकों को ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण किया जाना होगा।और वृक्षों तथा जंगलों की कटाई को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया जाने की तत्काल आवश्यकता है। अन्यथा इसके दुष्परिणाम सामने आने लगेंगे तथा इसका सर्वाधिक प्रतिकूल प्रभाव मानव के स्वास्थ्य पड़ेगा। वैश्विक आकलन के अनुसार भारत की विशाल जनसंख्या एक शक्ति तथा बाजार का उपभोक्ता केंद्र है। अतः हमें अपने नागरिकों की जनसंख्या को पर्यावरण प्रदूषण की बलि चढ़ने से रोकना होगा। वायु प्रदूषण का सबसे ज्यादा प्रभाव नौनिहालों और बुजुर्ग व्यक्तियों पर पड़ता है। दोनों की रक्षा करना देश तथा आमजन का प्रथम दायित्व होगा। अब हमें कोरोना के अलावा वायु प्रदूषण से भी युद्ध स्तर पर जंग करनी होगी। क्योंकि भारत देश विश्व में सर्वाधिक प्रदूषित देश माना जाने लगा है।

संजीव ठाकुर
स्तंभकार, चिंतक
(वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक लेखक)
रायपुर, छत्तीसगढ़

बढ़ती ही जा रही है उत्तराखंड के जंगल की आग की घटनाएँ

कोलफील्ड मिरर 07 मई 2024: उत्तराखंड के जंगलों में आग कहर बरपा रही है। 3 लोगों की मौत हो गई है और हजारों जानवर जलकर राख हो गए हैं। आग से अब तक 1100 हेक्टेयर जंगल वीरान हो चुका है। राज्य में अब तक आग लगने के 886 मामले सामने आ चुके हैं। 61 लोगों के खिलाफ आगजनी के मामले दर्ज किए गए हैं। लगातार जल रही आग के कारण जंगल ही नहीं बल्कि पूरा इको सिस्टम अब खतरे में पड़ गया है। इसे लेकर वैज्ञानिकों ने भी चिंता जताई है। वैज्ञानिकों के मुताबिक आग से न सिर्फ तापमान बढ़ रहा है, बल्कि लगातार बड़ी मात्रा में ब्लैक कार्बन भी निकल रहा है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो ग्लेशियर भी पिघल सकते हैं।

मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार इस आग से पूरा इको सिस्टम खतरे में है। आग की वजह से बढ़ती गर्मी और उससे निकलने वाले ब्लैक कार्बन के कारण वायु प्रदूषण हो रहा है और इस वजह से हवा में ब्लैक कार्बन की मात्रा बढ़ रही है। उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग की गंभीरता को भांपते हुए फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया ने कई अलर्ट जारी किए हैं।वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के पूर्व वैज्ञानिक पीएस नेगी ने ब्लैक कार्बन की वजह से ग्लेशियरों के पिघलने को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि गर्मियों में वनाग्नि के कारण ब्लैक कार्बन की मात्रा बढ़ने से हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियरों के पिघलने का खतरा बढ़ गया है और पूरा पारिस्थितिकी तंत्र खतरे में है।

विश्व बैंक के एक शोध से पता चला है कि ग्लेशियरों के पिघलने में ब्लैक कार्बन की क्या भूमिका होती है। रिपोर्ट के मुताबिक अगर किसी इलाके में ज्यादा मात्रा में ब्लैक कार्बन छोड़ा जाता है तो इससे ग्लेशियरों के पिघलने की दर बढ़ जाती है। इसका कारण यह है कि अगर ग्लेशियर के आसपास ब्लैक कार्बन जमा हो जाए तो सूरज की रोशनी का परावर्तन कम हो जाता है, जिससे ग्लेशियर तेजी से पिघलने लगता है। इस कारण हवा का तापमान भी बढ़ जाता है, ग्लेशियरों के पिघलने का यह भी एक बड़ा कारण है।

जेसी कुनियाल समेत जीबी पंत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन एनवायरनमेंट के शोधकर्ताओं ने हिमालयी क्षेत्र में जमा हो रहे ब्लैक कार्बन के कई स्रोतों के बारे में जानकारी जुटाई है। जेसी कुनियाल ने कहा है कि जंगल की आग, सीमा पार प्रदूषण और वाहनों के कारण भी वातावरण में ब्लैक कार्बन की मात्रा बढ़ जाती है। वहीं विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने भी चेतावनी जारी की है कि ग्लेशियरों के तेजी से घटने से क्षेत्र में प्राकृतिक आपदा की आशंका बढ़ रही है। जिसमें हिमालय की झीलों से बाढ़ का खतरा भी बढ़ रहा है।

हालिया समाचारों के अनुसार उत्तराखंड में गर्मी का प्रकोप जंगलों पर बरस रहा है। उत्तराखंड के जंगल पिछले कई दिनों से धधक रहे हैं। अल्मोड़ा जिले के दूनागिरी मंदिर के पास भी जंगलों में पिछले एक हफ्ते से आग लगी हुई है और रविवार को आग दूनागिरी मंदिर तक पहुंच गई। दूनागिरी मंदिर तक आग पहुंचने के कारण वहां मौजूद श्रद्धालुओं में भगदड़ मच गई। आग की लपटों से घिरे श्रद्धालु खौफ में आ गए और जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। गनीमत रही कि वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया और एक बड़ी दुर्घटना होने से बच गई।वन विभाग के कर्मचारियों ने किसी तरह से आग पर काबू पाया। श्रद्धालुओं को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचा है। इस दौरान कुमाऊं फॉरेस्ट चीफ पी।के। पात्रों और मुख्य वन संरक्षक कुमाऊं कोको रोशे ने भी मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों को आग पर जल्द नियंत्रण पाने के निर्देश दिए गए हैं।

28 अप्रैल को नासा के जरिए सामने आई सैटेलाइट तस्वीरों में उत्तराखंड में लगी जंगल की आग की भयावता दिखाई दे रही थी। अगर मार्च अप्रैल 2023 और 2024 में उत्तराखंड में जंगलों में लगी आग के बीच तुलना करें तो 2024 में स्थिति ज्यादा गंभीर हो गई है।

मार्च अप्रैल 2023 में अल्मोड़ा जिले में आग लगने की 299 घटनाएं हुई थी तो 2024 में इन्हीं दो महीना में आगजनी की 909 घटनाएं हो चुकी हैं। इसी तरह चंपावत जिले में साल 2023 में 120 जंगल की आज की घटनाएं हुई तो 2024 में यह 1025 हो चुकी है। गढ़वाल जिले में भी मार्च अप्रैल 2023 में 378 राजधानी की घटनाएं हुई तो इस साल 742 का आंकड़ा पार हो चुका है। इसी तरह नैनीताल में पिछले साल 207 आग लगने की घटनाएं 2 महीने में दर्ज की गई जो कि इस साल दो महीना में 1524 हो चुकी हैं।

अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो साल 2023 के मार्च महीने में जंगल में आगलगने की 804 घटनाएं के सामने आई थी तो 2024 में मार्च महीने में 585 आगजनी की घटनाएं सामने आई हैं लेकिन अप्रैल महीने की स्थिति ज्यादा चिंताजनक है क्योंकि अप्रैल 2023 में आग लगने की 1046 घटनाएं दर्ज हुई थी जबकि 2024 में अब तक अप्रैल महीने में 5710 आगे ने की घटनाएं दर्ज हो चुकी हैं।

बताया जाता है कि उत्तराखण्ड के जंगलों में आग लगने की समस्या खासतौर पर फरवरी से जून के महीनों के दौरान देखी जाती है, क्योंकि इस समय मौसम शुष्क और गर्म होता है। नैनीताल के जंगलों में आग लगने का प्रमुख कारण नमी की कमी है। जंगल में मौजूद सूखी पत्तियां और अन्य ज्वलनशील पदार्थ तेज गर्मी की वजह से आग पकड़ लेते हैं।

कई बार स्थानीय लोगों और पर्यटकों की लापरवाही के कारण भी जंगलों में आग लग जाती है। दरअसल, स्थानीय लोग अच्छी गुणवत्ता वाली घास उगाने, पेड़ों की अवैध कटाई को छुपाने, अवैध शिकार आदि के लिए जंगलों में आग लगा देते हैं, जिसकी वजह से आग पूरे जंगल में फैल जाती है। इसके अलावा टूरिस्ट कई बार जलती हुई सिगरेट या दूसरे पदार्थ जंगल में फेंक देते हैं, जिसके कारण आग पूरे जंगल में फैल जाती है। प्राकृतिक कारणों से भी जंगलों में आग लग जाती है। सूखी पत्तियों के साथ बिजली के तारों के घर्षण से भी जंगल में आग लगती है, जैसे बिजली गिरती है। वहीं बदलते जलवायु पैटर्न के कारण मौसम गर्म और शुष्क हो रहा है, जिसकी वजह से जंगलों में आग देखने को मिल रही है।

उत्तराखंड में एडिशनल प्रिंसिपल चीफ कंजरवेटर कपिल जोशी कहते हैं, "उत्तराखंड में जंगल में आग लगने की कई प्रतिकूल परिस्थितियों हैं और जितनी ज्यादा प्रतिकूल परिस्थितियों होगी उतनी ही ज्यादा जंगल में आग लगने की घटनाएं होंगी। नमी का स्तर, लंबे समय तक शुष्क व उच्च तापमान, हवा की दिशा और बारिश का समय जैसी प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों इसमें योगदान करती हैं क्योंकि पिछले कुछ सालों में जलवायु की बदलती परिस्थितियों ने इन प्रतिकूल परिस्थितियों को और बद्तर बना दिया है लेकिन यह भी एक तथ्य है कि क्षेत्र में जंगल में आग लगा एक सामान्य घटना है। हम आग पर काबू पाने में भी बेहतर स्थिति में हैं।"

मॉनसूनी आपदा हो या वनाग्नि, उत्तराखंड जितना खूबसूरत है, उतनी ही कठिन देवभूमि की जिंदगी है। कहते हैं स्वयं भगवान ही यहां की रक्षा करते हैं। वनाग्नि जब विकराल रूप ले रही होती है तो मॉनसून उस आग से यहां के वासियों को छुटकारा दिलाता है। आइए जानते हैं इस एक्सक्लूसिव डेटा से कि वनाग्नि ने पिछले 5 सालों में कितनी तबाही मचाई है।

30 जून 2019 तक उपलब्ध आंकडों के अनुसार, 2158 वन अग्नियों की घटनाएं हुई, जिनमे 2981।55 हेक्टेयर वन भूमि जल कर खाक हो गई। इन हादसों में 15 लोग घायल हुए, 1 व्यक्ति और 6 वन्यजीवों की मौत हो गई थी। नुकसान की बात करें तो वन विभाग को 55 लाख 92 हजार का राजस्व नुकसान हुआ। आग से करीब 7000 पेड़ पौधे भी नष्ट हो गए।

साल 2020 में कुछ हद तक यह आंकड़े गिरे। 23 जून तक उपलब्ध डेटा के अनुसार, 135 वनाग्नि घटनाएं हुई हैं। 17269 हेक्टेर भूमि वनाग्नि से भस्म हो गई थी। इन घटनाओ में 2 लोगों की मौत हुई, 1 व्यक्ति घायल हुआ और किसी वन्यजीव की मौत दर्ज नहीं हुई है। आग से 4 लाख 44 हजार का नुकसान हुआ था।

23 जुलाई 2021 तक उपलब्ध डेटा के अनुसार, वनाग्नि ने एक बार फिर विकराल रूप लिया और 2813 घटनाओं में 3944 हेक्टेयर वन भूमि को आग निगल गई। 8 लोगो की मौत और 3 लोग घायल हुए थे। वहीं 29 वन्यजीवों की मौत और 24 घायल हुए थे। आग से 1 करोड़ 6 लाख का नुकसान हुआ था और 1 लाख 20 हजार पेड़ नष्ट हो गए थे। साल 2022 में भी वनाग्नि ने कोहराम मचाया था। 6 अगस्त तक उपलब्ध डेटा में करीब 2186 घटनाओं में 3226 हेक्टेयर वन भूमि जल कर खाक हो गई, जिसमे 7 लोग घायल हुए और 2 लोगों की मौत हो गई थी, वन जीवों का आंकड़ा दर्ज नहीं हुआ। आग से 89 लाख 25 हजार का नुकसान हुआ और 39000 पेड़ पौधे जल कर खाक हो गए थे। 29 नवम्बर 2023 तक का डेटा बताता है कि 73 वनाग्नि की घटनाएं हुई 933 हेक्टेयर भूमि जल गई। 3 लोग घायल हुए 3 लोगों की मौत हुई, वन्यजीवों का आंकड़ा शून्य रहा था। आग से 23 लाख 97 हजार का राजस्व नुकसान हुआ था। वहीं 15000 पेड़ पौधे नष्ट हो गए थे।

अशोक भाटिया

गर्मी चुनाव की या कुदरत की

कोलफील्ड मिरर 07 मई 2024: भारी गर्मी में शाम के समय समुद्र किनारे पार्क पर बैठा था कि चिरकुट मेरे बाजू में आकर बैठा।

"भैया चुनावी गर्मी के साथ यह मौसम की भयानक गर्मी लोगों की जान ले रही है। इतनी गर्मी पहले कभी नहीं थी। समुद्र के किनारे भी देखो भैया गर्म लू सी चल रही है।"

"हां सो तो है इन गर्मियों के साथ एक और गर्मी भी आज जुड़ी है शायद तुमने ध्यान नहीं दिया है। वह है सत्ता पक्ष और विपक्ष का एक दूसरे पर गाली गलौचों की गर्मी यानी चुनावी कुरुक्षेत्र का ताप। सत्ता पक्ष कभी नहीं कहता कि वह कौन सी नई योजनाओं से जनता को खुशहाल बनाएगा। और गड़े मुर्दे उखाड़ते हुए नए-नए शब्दों को जुगाली कर रहा है। विपक्ष भी कमोबेश यही सब कर रहा है लेकिन सत्ता पक्ष के आगे कमजोर पड़ रहा है क्योंकि सत्ता पक्ष की सर्जनात्मकता क्रिएटिविटी देश की सीमाओं से निकालकर भारतीय चुनाव के लिए विश्व व्यापी परिप्रेक्ष्य की कल्पना कर रहा है।"

"मैं समझा नहीं भैया"

"अब देखो चुनाव प्रचार में हर दिन कोई नया बखेड़ा कोई नया शब्द कोई नया डर और कोई नया शगुफा छोड़ा जा रहा है। पहले मंगलसूत्र छीन लिए जाएंगे वाला मसला था। उसके बाद आया घर बार संपत्ति विपक्ष द्वारा छीन लिया जाएगा। उसके बाद आया पाकिस्तान का विपक्ष को सहयोग मिल रहा है समर्थन मिल रहा है। अब नया तुर्रा यह है कि आपकी भैंस गई पानी में। हर दिन कोई ना कोई नया शगुफा नया गणित गढ़ा जा रहा। जिन मामलों में सत्ता पक्ष के मुखिया के होने का मामला अदालत में चला और वह बरी हो गए भारी इस मामले को अभी खोद करके विपक्ष के माथे पर तिलक की तरह लगाया जा रहा है।"

"मतलब चुनावी गर्मी और मौसमी गर्मी के साथ साथ इन जुगाड़ू शब्दों के द्वारा बढ़ाई जा रही गर्मी भी बढ़ती जा रही है।लेकिन यह कैसा मुर्गा है जो इस भीषण गर्मी में बिना किसी पंख के बिलकुल पंखविहीन नंगा। सा दाने चुग रहा है भैया?"

"बस यही बताता है कि पूरे पंख नोचकर महंगाई और टैक्स के रूप में जनता को भी उस मुर्गे की तरह बनाकर दानों के रूप में रेवड़ियां मुफ्त की बांटे जाने का नाटक किया जा रहा है।"

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)

नीलू और निशी

कोलफील्ड मिरर 07 मई 2024: जाम-कच्छार से होकर गब्दीनाला बहता था। नाले के किनारे तरह-तरह के बड़े-बड़े वृक्ष थे। हर वृक्ष पर किसी न किसी पक्षी का निवास था। एक विशाल अर्जुन वृक्ष पर नीलकंठ पक्षी- नीलू और निशी रहते थे। दोनों अपने दाम्पत्य जीवन से बहुत खुश थे। उनमें कभी मन-मुटाव नहीं हुआ। नीलू और निशी की जोड़ी पूरे जाम-कच्छार की पसंद थी।

निशी पहली बार माँ बनी थी। बड़े प्यारे चार बच्चे थे उनके। मम्मी -पापा बनने की प्रसन्नता दोनों के चेहरे पर झलकती थी। वे बच्चों का खूब केयर करते थे। दोनों अपना अधिकांश समय बच्चों के ही साथ बिताते थे। बच्चे भी बड़े प्रसन्न थे। नीलू और निशी अपने स्वस्थ व बढ़ते हुए बच्चों को देख फुले नहीं समाते थे।

नीलू और निशी दोनों हमेशा घर पर रहते थे। एक-दूसरे से बच्चों के बारे में ही बतियाते रहते थे। बच्चों के जन्म से पहले उन्हें भोजन की तलाश में जाना होता था तो वे घर से हमेशा एक साथ ही निकलते। पर इस समय नीलू को अकेला जाना पड़ता था। घर से निकलते वक्त नीलू निशी से कहा करता था- "बच्चों को छोड़कर कहीं मत जाना निशी। दिन भर धूर्त कालू कौआ और गिट्टू गिद्ध मँडराते रहते हैं। रात में घुघ्घू उल्लू का भय बना रहता है। "फिर निशी का जवाब होता- हाँ जी, मैं भी जानती हूँ। पर तुम्हारे अकेले जाने से मुझे डर लगा रहता है कि कहीं तुम किसी खतरे में न पड़ जाओ। हम दोनों एक साथ चलते हैं, तब की बात अलग होती है। मन में तरह-तरह की शंकाएँ आती हैं जी।" इस तरह नीलू और निशी के हृदय में एक-दूसरे के प्रति अगाध प्रेम था।

नीलू और निशी को अपने इन बच्चों को देख कभी अपने बचपन के खुशी के दिन याद आ जाते, तो कभी संकट के पल। पर इस समय वे संकट के पल को भूल जाना ही उचित समझते थे। मजे की बात यह थी कि उन्होंने अपने बच्चों का एक से बढ़कर नाम रखा था- सुम्मी, प्रियू, बिट्टू और टोनी। उनकी अच्छी परवरिश करने में कोई कसर नहीं छोड़ा था नीलू और निशी ने। समय भी बीत रहा था।

एक दिन की बात है। बज्जू बाज आकाश में उड़ रहा था। वह भोजन की तलाश में था। बज्जू की दुष्टता न केवल जाम कच्छार; वरन् आसपास के समस्त पक्षी-निवास क्षेत्र में चर्चित थी। उड़ते-उड़ते वह अर्जुन पेड़ के पास आ गया। तभी उसकी नजर नीलू व निशी के नवनिर्मित घोंसले पर पड़ी। उसे घोंसले के अंदर किसी न किसी के रहने की भनक लग गयी। मन गद-गद हो गया। नीचे उतरने लगा।

सच में इस समय निशी बच्चों के साथ घोंसले के अंदर थी। नीलू अपने घर से कुछ ही दूरी पर कसही पेड़ पर बैठा था। वह अपने मित्र पप्पू पंडूक का इंतजार कर रहा था। उसे छोटे बच्चों के स्वास्थ्य सम्बंधित जानकारी लेनी थी। तभी उसने बज्जू को अपने घोंसले की ओर आते देख लिया। उसे बज्जू का इरादा नेक नहीं लगा। फौरन अपने घोंसले की ओर उड़ान भरी।

बज्जू बाज ने भी नीलू को देख लिया। उसकी खुशी दुगुनी हो गयी। उसे लगा कि चोंच भी फूल, पंजे भी फूल। भगवान जब देता है तो छप्पड़ फाड़ कर देता है। पर बज्जू नीलू के घोंसले को नुकसान पहुँचाता, इससे पहले नीलू बज्जू के आड़े आ गया। उसके नजदीक जाकर बोला- "बज्जू! तुम मेरे घर की ओर बिल्कुल नहीं जाना। मेरी पत्नी और बच्चे घर पर हैं। वैसे भी तुम्हें हमसे कोई काम नहीं है; और न हिं हमें तुमसे। घर तक बिल्कुल ही नहीं जाना। जो कुछ भी बात है, यहीं पर मुझसे कर लो।"

बज्जू पंख फड़फड़ाते हुए बोला - "अब तुम मिल गये, तो फिर मुझे तुम्हारे घर तक जाने की जरूरत ही नहीं है। आज तुम ही मेरा भोजन बन जाओ। यह तो अच्छा ही हुआ कि तुम स्वयं मेरे पास आ गये।"

बज्जू की बातें सुन साहस जुटाते हुए नीलू बोला- "तुम मुझे छू कर तो देखो। मैंने भी तुम्हें अपनी नानी याद नहीं दिलाई, तो मेरा नाम नीलू नीलकंठ नहीं; समझे? "फिर वह बज्जू को यह सोचकर उड़ते हुए अपने घर से दूर ले जाना चाहता था कि कहीं बज्जू बाज की आने की खबर निशी व बच्चों को पता न चले। वह अपने परिवार को संकट में पड़ने नहीं देना चाहता था। वहाँ से वह उड़ने लगा। आगे-आगे नीलू और पीछे-पीछे बज्जू। जब नीलू आश्वस्त हो गया कि वे दोनों घोंसले से बहुत दूर निकल चुके हैं, तब वह एक सेमल पेड़ पर जाकर बैठ गया। बज्जू भी उसी सेमल पर जा बैठा।

फिर बज्जू ने चोंच और पंजे से नीलू पर वार करना शुरू कर दिया। नीलू के पलटवार में भी कोई कमी नहीं थी। दोनों लड़ते-झगड़ते कभी टहनियों में उलझ जाते, तो कभी पेड़ से जमीन पर गिर जाते। देखते ही देखते दोनों लहुलुहान हो गये। चोंच और पंजे तक छिल गये। बज्जू बाज सोचने लगा कि पहली बार अपने बराबर वाले से उसका टक्कर हुआ है। उसे नहीं लगा था कि एक नीलू नीलकंठ के लिए उसे इतना खून-पसीना बहाना पड़ेगा। उसे दिन में तारे नजर आने लगे।

नीलू भी पीछे हटने का नाम नहीं ले रहा था, पर पस्त हो गया था। वह यह भी जानता था कि बज्जू बाज से उसकी हार निश्चित है। पर उसके मन में एक ही बात दृढ़ थी कि बिना लड़े हार मानना बुजदिली है। पीछे हटना भी मरना ही है। इस दुष्ट को पता चले कि किसी ने उसे टक्कर दिया। इसे अपनी दुष्टता के परिणाम से अवगत होना चाहिए। किसी निरीह परिन्दे पर हमला करने से पहले दस बार सोचेगा। इस तरह दोनों बहुत देर तक लड़ते ही रहे।

उसी समय नन्हे मनु बया ने बज्जू और नीलू को झगड़ते देख लिया। तुरंत उसने सिवनी अमराई जाकर रानी कोयल को बताया- "रानी दीदी... रानी दीदी! बज्जू और नीलू अंकल दोनों खूब लड़-झगड़ रहे हैं। तुम कुछ करो न दीदी।"

"ठीक है। तुम उधर बिल्कुल मत जाना। मैं कुछ करती हूँ।" रानी कोयल ने मनु बया को सख्त हिदायत दी; और वहाँ से उड़ गयी।

रानी और निशी बज्जू व नीलू के पास पहुँचे। उन्होंने बज्जू-नीलू को रोकने की बहुत कोशिश की। पर नाकाम रहे। खून से लथपथ नीलू ने निशी को अपने नजदीक आने से मना करते हुए कहा- "निशी! तुम यहाँ से जाओ। बच्चों को घर पर छोड़ कर क्यों आयी। जाओ घर।" तभी अचानक नीलू के गरदन के नीचे हिस्सा पूरी तरह से बज्जू की नुकीली चोंच के पकड़ में आ गया। फिर नीलू की हालत देख निशी से रहा नहीं गया। आव देखा न ताव। बज्जू पर बिजली की तरह टूट पड़ी। नीलू और निशी के वार से बज्जू की हालत खराब हो गयी। उसका शरीर जवाब देने लगा। मुर्छा छाने लगी। मुर्छित अवस्था में ही बज्जू की साँसें उखड़ गयी।

फिर नीलू और निशी पंख फैलाये एक-दूसरे को चोंच से सहलाने लगे। दोनों की आँखों से प्रेम की अश्रुधारा फूट पड़ी।

टीकेश्वर सिन्हा "गब्दीवाला"
बालोद (छत्तीसगढ़)

जीवन को अपनाना सीखो

जीवन की बस यही कहानी।
रंक बनें या राजा रानी।।
रोम-रोम हो जाय प्रफुल्लित।
अगले क्षण भ्रम करता विस्मित।।

कभी पीर सम घटा सताती।
नयन झड़ी जस धार बहाती।।
सहसा पुष्पित होती काया।
फिर भव सागर कसती माया।।

पृथक रहें अंबर ज्यों सारे।
सूरज ग्रह अरु चंद्र सितारे।।
सृष्टि नीति के पथ पर चलते।
एक दूसरे से ना जलते।।

शीतल-गर्म पवन के झोंके।
किसमें दम जो इनको रोके?
नित्य धर्म है बहते रहना।
हों गतिशील सदा है कहना।।

चलती ऐसे जीवन गाड़ी।
अफसर हो या रहे अनाड़ी।।
प्रतिपल तुम मुस्काना सीखो।
जीवन को अपनाना सीखो।।

प्रिया देवांगन "प्रियू"
गरियाबंद छत्तीसगढ़
कोलफील्ड मिरर

लोकसभा आम चुनाव 2024 के निमित्त एक आवश्यक बैठक

कोलफील्ड मिरर 07 मई (निरसा): एगारकुंड प्रखंड कार्यालय के सभागार में सोमवार को नोडल पदाधिकारी प्रमोद कुमार झा की अध्यक्षता में 162 बीएलओ एवं 16 बीएलओ पर्यवेक्षकों के साथ लोकसभा आम चुनाव 2024 के निमित्त एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के निमित्त स्वीप कार्यक्रम 7 मई 2024 को सोशल मीडिया महा अभियान का आयोजन प्रत्येक मतदान केंद्र पर किए जाने,बीएलओ को मतदाता सूचना पंजी का वितरण, मतदाता सूचना पर्ची का वितरण,व्यक्तिगत रूप से मतदाताओं के बीच जाकर जागरूक करने,प्रत्येक दिवस को मतदाता सूचना पर्ची का वितरण करने के पश्चात एब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ, पुराने एपिक वाले मतदाताओं की संख्याविहित प्रतिवेदन में बीएलओ पर्यवेक्षक को सौंपने, मतदाता सूचना पर्ची 355 बीएलओ के मूल हस्ताक्षर से निर्गत करने आदि विषयों पर विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए निदेशित किया।

इस अवसर पर भीम रविदास, लालूरविदास, धीरेंद्र तिवारी, सलीम, माधव, पंकज कुमार सिंह, सिमरन नाग, कालीचरण कुमार, मंसूर रहमान, प्रमोद कुमार, संदीप, पवन करण, संजय मंडल, परवीन बानो, रेणु प्रसाद, रजिया खातून, इंद्रानी दत्ता, प्रतिभा बाउरी, सरिता देवी, संगीता देवी, सरस्वती, मीलू घोष, प्रीति सहनी, श्रीदेवी, सावित्री बाउरी, रेखा बाउरी, आदि उपस्थित हुए।

भाजपा, कांग्रेस, झामुमो ने विकास की राशि लूटने का कार्य कर झारखंड को चारागाह बनाया- विजय शंकर नायक

कोलफील्ड मिरर 07 मई 2024: संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव प्रभारी झारखंड, छत्तीसगढ़ विजय शंकर नायक ने झारखंड के रांची में eedi के कई ठिकानों पर छापेमारी कर ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव संजीव लाल के नौकर के घर ईडी ने भारी नकदी 30 करोड़ रुपये के कैश बरामदगी किये जाने पर अपनी प्रतिक्रिया में उक्त बातें आज कहीं।

इन्होंने यह भी कहा कि राज्य निर्माण के बाद इन 24 वर्षों में झारखंड में जितने भी सत्ता रूढ़ पार्टी, शासक वर्ग के रूप में जो भाजपा, झामुमो-कांग्रेस रही है सभी ने झारखंड की जनता के विकास की राशि को दोनों हाथों से लूटने का काम किया और झारखंड की जनता को बुनियादी एवं आधारभूत संरचनाओं से कोशों दुर रखने का काम किया जिसके कारण ही आज झारखंड में झारखंडी समाज का विकास एवं उनके बुनियादी समस्याओं का समाधान 24 वर्षो मे भी नहीं हो सका है। आज जहां सड़क के अभाव में चारपाई पर लेटा कर मरीज और रोगी को 10 किलोमीटर ले जाना पड़ता हो, जहां हमारी मां बहनों को सड़क में ही बच्चे को जन्म देना पड़ता हो, जहां बच्ची भूख से भात भात बात करके मर जाती हो, जहां पलायन जोरों पर है, मानव तस्करी चरम में हो, जहां पौष्टिक भोजन के अभाव मे झारखंडी महिला 70% एनीमिया रोग से पीड़ित हो जाए, जहां बच्चे अंडरवेट जन्म हो वैसे राज्य के मंत्री और नौकरशाह लोग झारखंड को दोनों हाथों से लूटने का काम कर झारखंड को चारगाह और लुटखंड बनाने का काम किया है।

श्री नायक ने साफ शब्दों में कहा कि आज झारखंड को भ्रष्ट नेता एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी तथा झारखंड प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी झारखंड को लूट कर खोखला करने का काम कर रहे हैं और चारागाह बनाकर झारखंड को लूट खंड में तब्दील किए हुए बहुत शर्म का विषय और आक्रोश का विषय है की झारखंड में सिर्फ लूट मची हुई है। इसका जिम्मेवार भाजपा, झामुमो-कांग्रेस है। आज झारखंड की जनता दुख और भूख से पीड़ित है। इन्होंने झारखंड की जनता से अपील किया के आने वाले चुनाव में भारतीय जनता पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा एवं कांग्रेस को वोट न देकर झारखंड के जमीनी एवं धरतीपुत्र उम्मीदवारों को जो झारखंड की माटी से जुड़े हुए लोग हैं जो झारखंडीहित के प्रति संघर्ष और आंदोलनरत हैं वैसे लोगों को बिना स्वार्थ अपना वोट देकर भारी मतों से विजय बनाएं ताकि इन पार्टियों और इन नेताओं को सबक मिल सके और झारखंड को भ्रष्टाचार मुक्त राज हम बना सके।

श्री नायक ने आगे कहा की झारखंड में सिर्फ कमीशन खोरी और दलाली की राजनीति की जा रही है सत्ता दलाल एवं मंत्री और वरीय नौकरशाहों का एक ऐसा गठजोड़ झारखंड में बना हुआ है जो तीनों मिलकर इस झारखंड की आत्मा को संसाधनो को गिद्ध की तरह नोचने का काम कर रहे है। अभी भी झारखंडी समाज को समझना चाहिए कि उनका भला भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस झामुमो के लोग कदापि नहीं कर सकते इसलिए इस बार का चुनाव बहुत ही महत्वपूर्ण चुनाव है इन चुनाव में झारखंड की जनता को एक इतिहास बनाने की आवश्यकता है और ऐसी पार्टियों का संपूर्ण रूप से बहिष्कार करने की आज समय की मांग है।

इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी अनुपमा सिंह को ज्यादा से ज्यादा वोट जिताना है

कोलफील्ड मिरर 07 मई (निरसा): सोमवार को खुदिया भाकपा माले के कार्यालय में मुगमा क्षेत्र में सभी ट्रेड यूनियन के संयुक्त मोर्चा की बैठक की अध्यक्षता शशि भूषण तिवारी ने किया। बैठक में सभी श्रम संगठन की सर्वसम्मति से 15 सदस्यीय समन्वय समिति बनाई गई, जिसके संयोजक राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन इंटक के कार्यकारी अध्यक्ष शशि भूषण तिवारी और सह संयोजक राकोमयू और पूर्व जिला परिषद सदस्या दुर्गा दास और सीटू गणेश धर को बनाया गया।

बैठक में सभी श्रम संगठन के वक्ताओं ने कहा कि कांग्रेस सह इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी अनुपमा सिंह को निरसा विधानसभा से धनबाद लोक सभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा वोट जिताना है, जिससे अच्छे मत अंतर से विपक्षी को हराकर मजदूरों की आवाज को दिल्ली में लोकसभा में आवाज को बुलंद करेंगी।

बैठक में गणेश धर, कृष्णा सिंह, जगदीश शर्मा धर्मेंद्र कुमार सिंह, श्यामल सरकार, सदन सिंह, दुर्गा दास, हरेंद्र सिंह, शिवाकांत पांडेय, मधु गुरु, संजय पालित, शशि भूषण तिवारी, जयदेव पात्रा, विपीन मंडल, गोपाल राम, सत्येंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रखर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. नन्दकिशोर पांडे जी की जन्म शताब्दी मनाई गई

कोलफील्ड मिरर 07 मई 2024: स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. नन्दकिशोर पांडे जी जन्म शताब्दी वर्ष पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कवि संजीव ठाकुर ने उक्त ओजपूर्ण पंक्तीयां अर्पित कीं। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व, नंद किशोर पांडे जी का जन्म शताब्दी वर्ष उनके पुत्र चंद्रकांत पांडे के निवास में गायत्री मंदिर के सामने समता कॉलोनी रायपुर में पुष्पांजलि अर्पित कर सादगी एवं गंभीरता से मनाया गई। चंद्रकांत पांडे, स्वतंत्रता संग्राम उत्तराधिकारी परिषद् के अध्यक्ष मुरली मनोहर खण्डेलवाल एवं अन्य सदस्यों पुष्पांजलि अर्पित कर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. नंदकिशोर पांडे जी द्वारा स्वतंत्रता संग्राम में दिए गए अत्यंत महत्वपूर्ण शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक योगदान के बारे में विस्तृत रूप से उल्लेख किया। इस अवसर पर लेखक, कवि संजीव ठाकुर ने विशेष रूप से उपस्थित रहकर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय नंद कुमार पांडे जी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए ओजपुर्ण कविता सुनाई--

जिंदगी वतन की पहरेदार हो जाए
मौत भी आए तो शर्मशार हो जाए।
वतन की आबरू पर खून बहा दो इतना,
कि बहते हुए लहू को वतन से प्यार हो जाए।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के उत्तराधिकारियों के बीच पहुंचकर उन्हें गर्व के साथ महत्वपूर्ण एहसास हो रहा है। नन्ही बालिका स्मृति अहीर द्वारा गीत और नित्य प्रस्तुत किया गया।

इस शताब्दी वर्ष के आयोजन पर स्वतंत्रता संग्राम उत्तराधिकारी परिषद के सदस्य द्वारा चुनाव के समय शत प्रतिशत मतदान करने के संकल्प के साथ राजेंद्र चतुर्वेदी, पूर्व पुलिस महानिरीक्षक प्रदीप नारायण तिवारी, डॉ अंजनी कुमार शुक्ला, समाजसेवी सुभाष शर्मा, डॉ अखिलेश त्रिपाठी, अपूर्व पांडे, सोनल पांडे, करुणा पांडेय, मंगल सिंह, दिनेश चंद्राकर, निशांत तिवारी, रमा जोशी, रेखा जोशी, शैलेंद्र राठौर सुनील बाजारी, शशांक रायचा,किशोर अग्रवाल, राजेंद्र उमाठे,पी संतोष नायडू,सुरेश मिश्रा आदि ने स्वर्गीय नंदकुमार पांडे को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।इस आयोजन में चंद्रकांत पांडे तथा पूरे परिवार ने पूर्ण सहयोग किया। कार्यक्रम का समापन खड़े होकर राष्ट्रगान से किया गया। यह जानकारी सुनीता संग्राम सेनानी स्वर्गीय नंदकिशोर पांडे के सुपुत्र चंद्रकांत पांडे जी द्वारा दी गई।

बारा पंचायत के वार्ड 5 व 3 में पानी की किल्लत, लोगों की बढ़ी परेशानी

कोलफील्ड मिरर 07 मई (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखंड के बारा पंचायत स्थित वार्ड संख्या 3 व 5 में मुख्यमंत्री जल नल योजना के बावजूद पानी की किल्लत से जूझ रहे स्थानीय लोगों ने एकजुट होकर आक्रोश जताया। लोगों का कहना है कि जानलेवा लू और भीषण गर्मी में दूर से पानी लाकर अपनी प्यास बुझा रहे हैं। वहीं छोटे-छोटे बच्चे को पानी नहीं मिलने के कारण समय पर विद्यालय जाने में परेशानी होती हैं। अगर पानी की व्यवस्था शीघ्र नहीं पूरी की जाती है तो हमसभी वृहद आंदोलन के लिये बाध्य होंगे। इस दौरान उप-मुखिया बबलू शर्मा, बबलू साह, स्काउट जिला प्रशिक्षक मुकेश आजाद, संतोष कुमार, गोपाल साह, कमलेश्वरी सोनी, साजन ठाकुर, परदेसी सोनी, पिको साह सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

डॉ. ममता सैनी के अद्वितीय ग्रंथ "आयुर्वेद को जाने" इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड में दर्ज

डॉ. शंभू पंवार

कोलफील्ड मिरर 07 मई (नई दिल्ली): पाँच विश्व कीर्तिमान स्थापित करने के बाद "अंतरराष्ट्रीय काव्य प्रेमी मंच" तंजानिया की संस्थापिका डॉ ममता सैनी के अद्वितीय ग्रंथ "आयुर्वेद को जानें" को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा कीर्तिमान से अलंकृत किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय काव्य प्रेमी मंच के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अंतर्राष्ट्रीय लेखक, पत्रकार -विचारक डॉ शंभू पंवार ने बताया कि "आयुर्वेद को जानें" ग्रंथ में आयुर्वेद की भूमिका और 125 जड़ी बूटियों का परिचय, गुण और औषधिय प्रयोगों का दोहों में वर्णन किया गया है। इस तरह का यह अनूठा और अलौकिक ग्रंथ होगा।

उल्लेखनीय है कि बहादुरगढ़, हरियाणा की बेटी डॉ. ममता सैनी ने विदेश की धरती पर रहते हुवे भारत की कला, संस्कृति, साहित्य, भाषा और आयुर्वेद का का गौरव बढ़ाया है। डॉ सैनी के दो अद्वितीय ग्रंथ "आयुर्वेद को जाने" और "भारत को जाने" का भव्य लोकार्पण 11 मई की राजधानी दिल्ली में होगा। "भारत को जाने" ग्रंथ में भारत के 28 राज्यो और 8 केंद्र शासित प्रदेशों की जनसंख्यिकी, संस्कृति, कला, साहित्य, उपलब्धियों, इतिहास, प्राकृतिक सौंदरिय, भौगोलिक सरंचना, विशेष व्यक्तित्व का दोहों और चौपाइयों में वर्णन किया गया है।

इस ग्रंथ को भी इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा कीर्तिमान से सम्मानित किया जा चुका है। शानदार लोकार्पण समारोह में देश विदेश से करीब 400 साहित्यकार और प्रबुद्धजन शामिल होंगे। डॉ ममता सैनी को देश विदेश से बधाई संदेश मिल रहे है।

पुलिस की बड़ी कार्यवाई हथियार व कारतुस के साथ एक गिरफ्तार

कोलफील्ड मिरर 07 मई (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखण्ड के बाखरपुर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बाखरपुर पूर्वी निवासी विजय शंकर मिश्र को अपने घर में अवैध अग्नेयास्त्र एवं कारतुस के साथ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कहलगांव-02 के नेतृत्व में गिरफ्तार किया है। जिसकी जानकारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी 2 डॉ० अर्जुन कुमार गुप्ता ने प्रेस वार्ता कर दी। वहीं उन्होंने कहा कि छापामारी के क्रम में अभियुक्त के घर से एक अवैद्य लोहे एवं लकड़ी का बना 12 बोर का एकनाली बंदूक, 12 बोर का 25 जिंदा कारतुस एवं दो चाकु के साथ अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। इस संदर्भ में बाखरपुर थाना कांड संख्या-16/24, दिनांक-05 05.2024, धारा-25(1-बी) ए/26/35 आर्म्स एक्ट दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। वही उन्होंने ने बताया की गिरफ्तार अभियुक्त के उपर पूर्व में झारखंड के मिर्जाचौकी एवं बिहार के पीरपैंती थाना में मामला दर्ज है। वहीं छापामारी दल में बाखरपुर थानाध्यक्ष आलोक कुमार, पुअनि गुलचन पासवान, राकेश कुमार गुप्ता चौ0 2/8- धीरेन्द्र गौड साहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

सन्त महात्माओं के पदार्पण वाले देश में नौजवान नवयुवतियां शराब व शराब से तेज नशे में धुत रहे, ये भारत देश का दुर्भाग्य है

शराब, कबाब, शबाब का प्रचलन इसी तरह से बढ़ता रहा तो भारत अध्यात्मिक गुरु, धर्मगुरु कैसे बनेगा

कोलफील्ड मिरर 07 मई (गौतम बुद्ध नगर/उ.प्र.): वक़्त के पूरे समरथ सन्त सतगुरु, दुःखहर्ता, उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने अधिकृत यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि बरकत पाने के लिए मेहनत ईमानदारी का काम करना, इस मानव शरीर को गंदा मत करना, शराब और शराब जैसे तेज नशे का सेवन मत करना। ऋषि मुनियों, सन्त महात्माओं के पदार्पण वाले भारत देश का यह दुर्भाग्य है कि जहां के नौजवान नवयुतियां शराब पिए, शराब के नशे में धुत रहे, चरित्र हीनता बढ़ती चली जाए, जो आदमी को खत्म करता, अस्तित्व को मिटाता है, वह चीज बढ़ता चला जाए।

शराब के नशे में आदमी न शरीर न घर का न धन का न बच्चों का और न ही देश को बचा सकता है

शराब, कबाब और शबाब का प्रचलन बढ़ता चला गया तो वह देश कैसे तरक्की कर सकता है? सोचो आप, कैसे धार्मिक देश कहा जा सकेगा? हम-आप तो कहते हैं कि हम भारत देश को धर्मगुरु, आध्यात्मिक गुरु बना देंगे लेकिन यह (नशा) चीज जब तक खत्म नहीं होगी तब तक नहीं बन सकता है, सतयुग का प्रदार्पण इस धरती पर नहीं हो सकता। इसलिए छोड़ो व्यभिचार, बनो ब्रह्मचारी, सतयुग लाने की करो तैयारी। हाथ जोड़कर विनय हमारी, तजो नशा बनो शाकाहारी। ब्रह्मचारी का मतलब यह नहीं होता कि बच्चा मत पैदा करो, एक नारी ब्रह्मचारी और एक आहारी सदा व्रतधारी। बुड्ढे कहते हैं कि एक रोटी का भूख रख कर के खाना चाहिए। कम खाओ, गम खाओ, बर्दाश्त करो तो लड़ाई-झगड़ा से बचे रहोगे। ये उपदेश करते हैं या नहीं? यह भारत देश की संस्कृति, परंपरा रही है कि बुड्ढे अनुभवी लोग, लोगों को समझावे बतावे क्योंकि दुनिया को जो ज्ञान हो रहा है, ये भारत का ही दिया ज्ञान है। जब जीरो दिया मेरे भारत ने, तब दुनिया को गिनती आई। लेकिन अब वही ज्ञान, बुद्धि खराब होती जा रही। शराब के नशे में होश रहता है आदमी? न शरीर न घर का न धन का न बच्चों का और न ही देश को बचा सकता है।

एक हजार बुराई वाली शराब यदि गंगाजल में भी बनाई जाए तब भी नहीं पीना चाहिए

मुसलमान की किताबों में लिखा है, शराब का एक कतरा यदि जिस्म पर पड़ जाए तो उस हिस्से को काट करके फेंक देना चाहिए। हिंदुओं के यहां लिखा है- गंगाजल कृत बारहु जाना, तदपि सन्त करें नहीं पाना। गंगाजल में भी शराब बनाई जाए तो नहीं पीना चाहिए। एक हजार बुराई वाली चीज शराब जो पीता, मांस खाता, व्यभिचार करता, खून-कत्ल करता, बाल-बच्चों को मारता, जमीन-जायदाद बेचता, वादा खिलाफी करता, क्या-क्या काम नहीं करता है। इन चीजों को क्यों अपनाते हो जो हमेशा दुःखदाई रहे हैं? खुद भी (नशा) छोड़ो और दूसरों को भी छुड़वाओ। दूसरों के भी मानव मंदिर को पूजा उपासना करने लायक बनाओ, इन गंदी चीजों को आप छुड़वाओ, यह सब काम आप करो।

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL–713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

सेंट जोसफ स्कूल के प्रियांशु सिंह और हर्षित आनंद 97.6 प्रतिशत अंक लाकर बने स्कूल टॉपर

कोलफील्ड मिरर 07 मई (ऋषिकान्त मिश्र) कहलगाँव-: प्रखण्ड के पकडतल्ला स्थित सेंट जोसफ स्कूल के दो छात्रो ने दशवीं की परीक्षा में 97:6 अंक हासिल कर संयुक्त रूप से स्कूल टॉपर बने। फादर वोनिफेस मरांडी ने बताया कि विद्यालय के 16 छात्रो ने 90 प्रतिशत से उपर अंक हासील किया है। जिसमें प्रियांशु सिंह और हार्षित आनंद को सर्वाधिक 97:6 प्रतिशत अंक हासिल हुआ है। वही आदित्य राज और ऋषि राज को 95, चिराग आनंद 94.8, ऋषभ राज 93.8, सम्यक सुमन 93.2, प्रणव कुमार 92.6, आदित्य कुमार 92.4, अदिति सोनी 92. मयंक चंद्रा, जुनैद आसिफ और नयन कुमार 91.4, मयंक कुमार सिंह 91. मयूरी रुंगटा 90.8 सौम्या पाठक 90.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किया। उन्होने बताया कि 10वीं में इस वर्ष कुल 122 छात्रो ने भाग लिया था, जिसमे सभी उतीर्ण है। वही 12वीं के परीक्षा में सर्वाधिक 88:25 प्रतिशत अंक आकाश कुमार को आया है। जबकि दुसरे स्थान पर खुशबु कुमारी को 87:75 प्रतिशत अंक आये है और तीसरे स्थान पर रिचा राज को 86 प्रतिशत अंक हासील हुआ है। वाणिज्य विषय में सर्वाधिक अंक 79:5 श्याम सून्दर कुमार को मिला है। जबकि दुसरे स्थान पर मोहित माइकल मरांडी को 62 प्रतिशत अंक मिले है। कला संकाय में 95:25 प्रतिशत अंक स्वीटी प्रिया को हासील हुआ है। जबकि दुसरे स्थान पर कोमल रानी को 71:25 अंक मिले और तीसरे स्थान पर 67:5 प्रतिशत अंक केसर कुमारी रूंगटा को हासील हुआ है। वहीं प्रधानाचार्य ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य कि कामना कि है।

फिल्मी दुनिया का सुना-अनसुना एक दिलचस्प किस्सा

जब महान रफी ने गीत की सिर्फ ६/८ पंक्तियां गाई और.....

कोलफील्ड मिरर 07 मई 2024: आज का किस्सा फिल्म 'मुकद्दर का सिकंदर' के शीर्षक गीत का है। जिसके बोल हैं 'जिदगी तो बेवफा है एक दिन ठुकराएगी, मौत मेहबूबा है साथ लेकर जाएगी, मर के जीने की अदा जो दुनिया को सिखलाएगा, वो मुकद्दर का सिकंदर जानेमन कहलाएगा.....' यह गीत किशोर कुमार की आवाज में रिकार्ड किया जा चुका था और जिसे परदे पर अमिताभ बच्चन पर फिल्माया भी जा

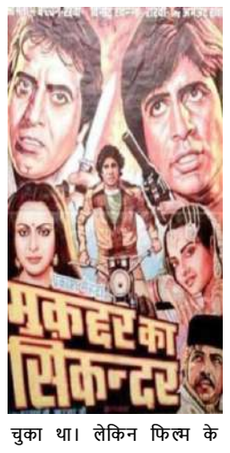

चुका था। लेकिन फिल्म के क्लाइमेक्स में अमिताभ बच्चन के मृत्यु-दृश्य के समय निर्देशक उसी गीत कीही गीत जो फिल्म में शुरुआती दृश्य में किशोर कुमार की आवाज में अमिताभ गा चुके थे। मगर इस बार निर्देशक प्रकाश मेहरा गीत के एक अंतरे की ६-८ पंक्तियां ही रखना चाहते थे। जिसे महान रफी की आवाज में रिकार्ड करना था दृश्य के अनुसार जिसे मरते हुए अपने मित्र अमिताभ की फरमाईश पर विनोद खन्ना को गाना था। इस गीत को रफी साहब की आवाज में रिकार्ड करने के लिए जब उनसे बात हुई तो पहले रफी साहब ने कहा कि चूंकि यह गीत किशोर कुमार की आवाज में रिकार्ड हो चुका है इसलिए उन्होंने कहा कि यह पंक्तियां भी उनसे ही गवा ले। पर प्रकाश मेहरा ने दृश्य की मांग को समझाकर रफी साहब को गाने के लिए मना लिया इस तरह यह गीत दर्द भरे जिस अंदाज में रफी साहब ने गाया जिसने दृश्य को बहुत ही प्रभावशाली बना दिया। विनोद खन्ना द्वारा गाए इस गीत ने परदे पर दर्शकों पर बहुत असर किया जिसमें महान मोहम्मद रफी की गायकी ने सारे दृश्य को उसी तरह असरदार बना दिया जैसा निर्देशक प्रकाश मेहरा चाहते थे। जानकारों का कहना है कि इस गीत के लिए रफी साहब को किशोर कुमार से भी अधिक पारिश्रमिक का भुगतान किया गया था। तो फिल्म और फिल्मी गीत संगीत के प्रेमियों को आज का यह किस्सा मजेदार लगा होगा, ऐसी आशा करता हूं। आप सब स्वस्थ रहें, व्यस्त रहें और मस्त रहें धन्यवाद।

श्याम कुमार राई
सलुवावाला

सबसे कीमती उपहार

कोलफील्ड मिरर 07 मई 2024: मनुष्य के लिये हवा, पानी और रोशनी अति आवश्यक है। यह कुदरत ने हमें निशुल्क प्रदान की है। इन चीजों के बिना हमारा जीवन व्यर्थ है पर अफशोस इस बात का है कि जो हमारे जीवन के लिये अति आवश्यक है और कुदरत ने हमे निशुल्क प्रदान की है वह है किसी दूसरे को उपहार देना। हम उसका सही से सार्थक मूल्यांकन नहीं कर पा रहे हैं। उपहार सुनकर हम सबके मन में एक जिज्ञासा आ जाती है कि यह उपहार में आयी वस्तु कितने की होगी क्योंकि हमारी सोच में सिर्फ और सिर्फ अर्थ के इर्द-गिद अपने स्वार्थ के हिसाब से सामने वाले के आँकलन का नजरिया होता है। इसका सही से चिन्तन हम करे तो कहा जाता है कि जरूरी नहीं है की वह दामों में कीमती कोई उपहार हो बल्कि कीमती वह उपहार है जो यहाँ-वहाँ हर जगह किसी भी प्रकार से खरीदा नहीं जा सकता हैं। ऐसा बेशकीमती उपहार समय है क्योंकि समय का हर पल है ऐसा पल होता है जो जाने के बाद कभी लौटकर नहीं आता है। हम किसी को कुछ दे नहीं सकते परन्तु उसको समय तो दे सकते है। भले ही कुछ समय तक स्वार्थ का वाना पहनकर किए गए कार्य स्वयं को खुशियां प्रदान करें, लेकिन लंबे समय तक यह संभव नहीं। भगवान कृष्ण ने गीता में संदेश दिया है कि अवसर मिले तो सारथी बनना, स्वार्थी नहीं। आत्म अवलोकन करने पर स्वार्थी व्यक्ति को कुंठा के अतिरिक्त कुछ प्राप्त नहीं होता। जबकि अपनत्व, प्रेम व स्नेहवश किया गया नि:स्वार्थ कार्य, व्यवहार स्थाई सम्मान, प्रसन्नता प्रदान करने वाला होता है। नि:स्वार्थ भावना प्रेम से जन्मती है और प्रेम ईश्वर द्वारा मानव को दिया हुआ सर्वोत्तम उपहार है। हम सब अपने को ईश्वर की संतान तो कहते हैं, लेकिन उनके दिए गुणों को आत्मसात कर उन्हें अहंकार व स्वार्थपरता से ढक देते हैं। यह हमारे उपयोग करने के ऊपर निर्भर है वो उसी वस्तु से पुण्यार्जन कर सकता है तो थोड़ी चुक होने पर पापार्जन भी कर सकता है। स्वभाव भी ठीक उसी प्रकार से है जो विवेक, चिन्तन और शुभ आचरण से सुंदर हो सकता है। इसलिए किसी को अपने अमूल्य समय का उपहार दीजिए उसके साथ में कुछ समय बिताइए और उसके मन में बहार लाइए। जिससे जब भी अवसर आएगा वह यह क्षण हर बार याद रखेगा।

प्रदीप छाजेड़
बोरावड़

जाये तो जाये कहाँ, वतन यह अपना छोड़कर

जाये तो जाये कहाँ, वतन यह अपना छोड़कर।
जायेंगे हम ना कहीं, चमन यह अपना छोड़कर।।
हम खुश हैं यहीं, हाँ हम खुश हैं यहीं।।
जाये तो जाये कहाँ----------।।

प्यार हमें मिलता है बहुत, यहाँ सभी से सदा।
मिलती है इमदाद बहुत, यहाँ सभी से सदा।।
कहाँ मिलेगा सम्मान इतना, इस जमीं के सिवा।
हम खुश हैं यहीं, हाँ हम खुश हैं यहीं।।

जाये तो जाये कहाँ----------।।

पाला है हमको जन्म से, इस धरती ने प्यार से।
किया है दूर दुःख हमारा, उस धरती ने प्यार से।।
यही तो हमारी है माता, ममता की छाँव ऐसी कहाँ।
हम खुश हैं यहीं, हाँ हम खुश हैं यहीं।।
जाये तो जाये कहाँ----------।।

हमारे लिए तो यही है, स्वर्ग- शान्ति और अमन।
जान से प्यारा है हमें, यह वतन और यह चमन।।

होने नहीं देंगे बर्बाद इसको, ऐसा जहां है कहाँ।
हम खुश हैं यहीं, हाँ हम खुश हैं यहीं।।
जाये तो जाये कहाँ----------।।

गुरुदीन वर्मा उर्फ़ जी.आज़ाद
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

"मुश्ताक़" बड़ा क़ातिल है

एक चेहरा जो मेरे ज़हन में
हर वक़्त बना रहता है।
जागते में सोते में रह रह
कर मुझको सदा देता है।
अब मेरी पहुंच में नहीं,
ख़ालिस है तस्व्वुर उसका।
जब भी मिलता जहां
मिलता है, मुस्कुरा वो देता है,
ख़यालों से हर वक़्त उसके मैं
पिघलता ही रहता हूँ।
कोई सूरत तो बताओ इन
अरमानों को भुला देता हूँ।
मैं उसके रुख़सार का थोड़ा
सा दीदार भी गर चाहूं।

रुबरू आजाऊँ उसके,
चहरा हाथों से छुपा लेता है।
कर लो आओ हम भी एतराफ़
अपनी मुहब्बत का।
इश्क़ भी एक काम है, जो
इबादत से बड़ा होता है।
पुरानी मुहब्बत को इस तरह
छेड़ना अच्छा नहीं होगा,
ये वो दर्द है जो बुझती हुई
आतिश को हवा देता है।
तेरे लम्स का अहसास भी
"मुश्ताक़" बड़ा क़ातिल है।
हर अंदाज़ उसका मैं कहता
हूँ दुनिया से जुदा होता है।

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह
सहज़ हरदा मध्यप्रदेश
कोलफील्ड मिरर

रणछोड़ जी, राहुल गांधी ने इस बार अपनी अमेठी, लोकसभा की पारम्परिक सीट को मझधार में छोड़ा

कोलफील्ड मिरर 07 मई 2024: इस बार के आम चुनाव के दौरान पूरे समय यह बात बड़ी जोर शोर से कहीं जा रही थी कि राहुल गांधी चाहे देर सवेर ही सही आखिर एक बार फिर अमेठी से अवश्य ही लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे कारण जब प्रियंका गांधी के पति राबर्ट वाड्रा ने अपना नाम स्वयं ही आगे आकर अपनी ओर से अमेठी से लड़ने के लिए घोषित करने का प्रयास किया तो उनके नाम को भी हाई कमान में रिस्पांस नहीं दिया, अतः यह तय माना जा रहा था कि राहुल गांधी जरूर ही एक बार फिर अमेठी से पर्चा भरेंगे यही कारण है कि जब-जब अमेठी की जनता से पत्रकारों द्वारा पूछा गया तो उन्होंने भी काफी उत्साह से अमेठी से राहुल बाबा के चुनाव लड़ने की बात कही मगर आज पर्चा भरने वाले अंतिम दिन जब राहुल बाबा के यूपी से चुनाव लड़ने की बात कही गई तो वह अमेठी के बजाय रायबरेली से लड़ने की बात कही गई एवं फिर उन्होंने रायबरेली से परचा भर भी दिया यानी राहुल गांधी ने इस बार अमेठी से चुनाव न लड कर रहा की जनता का दिल पूरी तरह से तोड़ दिया। कारण इस बार कई कांग्रेसी एवं मतदाता यह कहते भी पाए गए थे कि जो गलती हमने पिछली बार की है इस बार नहीं करेंगे और राहुल गांधी को अवश्य अमेठी से भारी बहुमत से संसद में पहुंचाएंगे, मगर राहुल बाबा ने तो एक बार फिर अपनी पिछली बार वाली वही गलती दोहराई और रणछोड़ बनकर अमेठी वालों को हताश और निराश कर दिया। अतः अब फिर मान लीजिए अगर इस बार अगर रायबरेली की जनता ने भी बगावत कर वहां से भी भाजपा के उम्मीदवार को जीता दिया तब फिर क्या होगा। फिर हमें दुख यह भी है कि कहा जा रहा था कि प्रियंका गांधी भी इस बार यूपी से लोकसभा का चुनाव लड़ेंगी मगर उनका नाम भी घोषित नहीं किया गया। कह सकते हैं इस बार जिन तीन गांधी परिवार के सदस्यों का नाम यूपी से लोक सभा का चुनाव लडने का जिक्र था उनमें से केवल एक ही गांधी नाम यूपी से लोकसभा का चुनाव लड़ रहा है। अतः इस बार कांग्रेसियों में भी काफी निराशा है। हमेशा ही यूपी की अमेठी लोकसभा सीट को गांधी परिवार का मजबूत किला माना जाता रहा है अतः अब 25 वर्षों में पहली बार ऐसा होगा कि जब गांधी परिवार का कोई सदस्य लोकसभा चुनाव में इस अमेठी सीट से चुनाव मैदान में नहीं उतरेगा वर्ष 1967 में निर्वाचन क्षेत्र बने अमेठी को गांधी परिवार का एक मजबूत गढ़ माना जाता रहा है और करीब 31 वर्षों तक गांधी परिवार के सदस्यों ने इस लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व भी किया है संजय गांधी, राहुल गांधी, सोनिया गांधी, राहुल गांधी आदि परिवार के सदस्यों ने यहां से चुनाव लड़कर एवं भारी मतों से जीत का संसद में प्रवेश किया है हालांकि संजय गांधी की पत्नी मेनका गांधी ने भी एक बार यहां से चुनाव लड़ने का प्रयास किया था तथा वह अपने ही जेठ राजीव गांधी के खिलाफ चुनाव लड़ी थी परंतु बुरी तरह से हार गई थी एवं उनकी जमानत तक जप्त हो गई थी फिर इसके बाद मेनका ने कभी भी अमेठी की तरफ रुख नहीं किया। अतः कह सकते हैं कि गांधी परिवार के इन दो सदस्यों मेंनका गांधी एवं वरूण गांधी को कभी भी अमेठी से चुनाव जीतने का अवसर कभी नहीं मिला है मगर यह भी कह सकते हैं कि इस बार के लोकसभा चुनाव में भी आज के समय में गांधी परिवार का कोई भी सदस्य अमेठी से चुनाव मेंदान नहीं उतरा है। अतः लगता है कि यहां का माहोल इस बार सुस्त ही रहने की संभावना है।

एमएम राजावतराज
शाजापुर

क्यों होते हो निराश अभी से

क्यों होते हो निराश अभी से
क्यों होते हो हताश अभी से
अभी तो तुमने चलना सिखा, कदम
बढ़ाना बाकी है
अभी तो तुमने गिरना सिखा,छलांग
लगाना बाकी है।

तू ही तो हौसले की खान है
तू दृढ है तेरी दृढ़ता महान है
एक बार कोशिश तो कर,तेरा जज्बा
अभी बाकी है
संकल्प करले कमर कस ले, एक दांव
तेरा बाकी है।

तुझमें वो, असीम हौसला है
तेरा विश्वास नही खोखला है
तेरे मन में विश्वास की, पक्की जीत
अभी बाकी है।
तेरा आखिरी हथियार, आत्मविश्वास
अभी बाकी है।

तेरे इरादे सख्त व, बुलंद है
तेरे अंदर में शक्ति अनंत है
तुझमें आसमान की ऊंचाई नापेगा वह
पर बाकी है
तू समंदर भी नाप लेगा वो वजूद का
असर बाकी है।

अशोक पटेल "आशु"
कोलफील्ड मिरर

पर्दे के पीछे से विचारधारा आगे बढ़ाकर, पैंठ जमाकर जबरदस्त वोट बैंक की राजनीति का प्रचलन बढ़ा

राजनीतिक पार्टीबाजी-जाति समाज से लेकर व्यापार व्यवसाय संगठनों तक व स्कूल कॉलेज से लेकर आध्यात्मिक स्थलों तक

सामाजिक संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों, व्यापार व्यवसाय संगठनों व आध्यात्मिक स्थलों सहित हरस्तर के संगठनों में राजनीतिक पार्टी विचारधारा की दखलअंदाजी बढ़ी-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

कोलफील्ड मिरर 07 मई (गोंदिया): वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियां में भारत जहां एक ओर सबसे बड़ा लोकतंत्र सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश व सबसे पुराना बड़ा आध्यात्मिक मान्यताओं संस्कारों रीति रिवाजो सहित अनेक पौराणिक आधुनिक विशेषताओं वाला देश है, तो वहीं कुछ हद तक सबसे बड़ी संस्थाओं धार्मिक स्थलों संगठनों व विचारधाराओं वाला देश होने की बात भी मीडिया के हर प्लेटफार्म पर कही जाती रही है जिसका कुछ हद तक उपयोग राजनीतिक पार्टियां अपने फायदे के लिए भी यानें वोट बैंक सुनिश्चित करने के लिए भी करती है, जो मैंने अपनी गोंदिया राइस सिटी में पहले चरण 19 अप्रैल 2024 को हुए लोकसभा चुनाव में देखा व कई संगठनो के अंदर यह महसूस भी किया, जिसके आधार पर मैं सटीकता से कर सकता हूं कि यही स्थिति दूसरे चरण में भी हुई होगी और आगे भी बाकी बचे पांच चरणों में पूरे देश में होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। परंतु ध्यान देने योग्य बात यह है कि यह सब पर्दे के पीछे होताहै। हालांकि हर संगठन, संस्थान, समाज प्रमुख आध्यात्मिक स्थल प्रमुख अपने नियंत्रण व नेतृत्व से उस संगठन का संचालन करते हैं, परंतु उनके पीछे दखलअंदाजी किन्हीं और राजनीतिक पार्टी से संबंधित नेतृत्व की होती है जो मैंने अपने लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र गोंदिया भंडारा में देखा कि कुछ पंचायतें संगठनो के मुखिया साहब शैक्षणिक संस्थाओं के कुछ लोग व्यापारिक व्यावसायिक संगठनों से संबंधित कुछ लोग अपने-अपने स्तर पर एक प्रमुख पार्टी का प्रचार कर रहे थेहालांकि मुझे मालूम था यह सभी संगठन संस्थाएं उस पार्टी की विचारधारा से जुड़ी है। यहां एक ऐसी कुछ कदमों की सेवा समिति भी है जो एक पार्टी की विचारधारा से जुड़ी है जहां सिर्फ संस्थापक कीचलती है और उसके अनेक सदस्य अन्य संस्थाओं, संगठनों एजुकेशन सोसाइटी क्षेत्रीय पंचायतों में भी मेंबर उनको बनाए रखा है जो उन संस्थाओं के निर्णयोंट में दखलअंदाजी करते हैं जो रेखांकित करने वाली बात है। चूंकि आज दिनांक 2 मई 2024 को अमेरिका के 30 से अधिक विश्वविद्यालयों में छात्रों के उग्र आंदोलन की खबरें पूरे दिन मीडिया में छाई रही इसलिए आज मैंने अपने आर्टिकल के लिए यह विषय चुना कि परदे के पीछे विचारधारा आगेबढ़ाकर पैंठ जमाकर जबरदस्त वोट बैंक की राजनीति का प्रचलन बढ़ रहा है।इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी केसहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,राजनीतिक पार्टीबाज़ी जाति समाज से लेकर व्यापार व्यवसाय संगठनों तक व स्कूल कॉलेज से लेकर आध्यात्मिक स्थलों तक पैंठ का प्रचलन बढ़ गया है।

साथियों बात अगर हम जाति समाज से लेकर व्यापारिक संगठनों व स्कूल कॉलेजों से लेकर आध्यात्मिक स्थलों तक राजनीतिक पार्टी की पैंठ की करें तो, आजउपरोक्त क्षेत्रों में सुधार लाने की बजाय हर राजनैतिक दल सभी संगठनो संस्थानों में अपनी

विचाराधारा आगे बढ़ाने के लिए राजनीतिक दखलंदाजी में लग जाते है, चाहे वह कुलपति व दूसरे महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्ति का मामला हो या शिक्षण सामग्री सामाजिक रीति रिवाज स्थितियों में बदलाव।देश के उज्ज्वल भविष्य की पौध तैयार करने वाले शिक्षण संस्थान आज राजनीतिक प्रोपेगेंडे का अड्डा बनते जा रहे हैं और छात्र इस राजनीति का शिकार हो रहे हैं। हमारे शिक्षण संस्थानों,समाज में कौन से विचारों पर चर्चा होनी चाहिए और किन पर नहीं, यह सवाल आज एक गंभीर मुद्दा बन चुका है। शिक्षण संस्थानों का राष्ट्र निर्माण में एक अमूल्य योगदान होता है। यहाँ देश के युवा अलग अलग राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर कई नज़रिए से सोचना सीखते हैं। ऐसे में अगर हमारी राजनीतिक दलें इन संस्थानों में घुसपैठ कर अपनी , वोटबैंक की राजनीति और संकीर्ण विचारधारा के लिए इन छात्रों का इस्तेमाल करने लगेगें तो इनका सही दिशा में विकास होना असंभव है। शिक्षण संस्थानों का राजनीतिकरण होने लगेगा। छात्र जो शिक्षण संस्थानों में पढने की बजाय अलग अलग राजनीतिक दलों से जुड़कर एक दुसरे के ऊपर अपना अधिकार जमाने के लिए प्रयास करते हैं जिसके फलस्वरूप इन दलों के बीच वर्चस्व की लड़ाई होने लगेगी। इसका लाभ देश के बाहर की विघटनकारी शक्तियां भी उठाने लगेगी। आजकल जिस प्रकार से देश की शिक्षण संस्थाओं संगठनों संस्थाओं का राजनीतिक हित के लिए उपयोग किया जाने लगा है, उससे यही लग रहा है कि छात्रों के दिल और दिमाग में देश के विरोध में भ्रम भरने का कार्य सुनियोजित तरीके से किया जा रहा है। आज विश्वविद्यालय में छात्रों के कई वर्ग हैं जो केवल अपनी दलगत निष्ठा को साबित करने के लिए राजनेताओं के अनुचित कृत्यों को सही साबित करने लगते हैं और इन घटकों में आपस में हिंसात्मक झड़पें भी होने लगी है। इन शिक्षण संस्थानों की आँगन जंग का मैदान हो गए हैं जहाँ पुलिस ज्यादा नजर आने लगी है। सोशल मीडिया के जरिये खुद को अभिव्यक्त करने वाली यह युवा पीढ़ी शिक्षा और रोजगार जैसे स्थायी मुद्दों को लेकर नहीं, बल्कि देश की नींव को बर्बाद करने वाले मुद्दों को ज्यादा तरजीह देती नजर आ रही है। शायद इसकी एक बड़ी वजह यह है कि आज देश के ज्यादातर विश्वविद्यालयों में छात्र नेता खुद अराजकता के प्रतीक बन गए हैं। धरना देना, प्रदर्शन करना, नारे बाजी करना ,क्या शिक्षण संस्थान इसके लिए है?

साथियों बात अगर हम भारत में छात्र राजनीति की करें तो भारत में छात्र राजनीति विश्वविद्यालयीय शिक्षण व्यवस्था का अहम घटक रही है।चाहे वो जेएनयू हो, डीयू हो, एएमयू हो या फिर लखनऊ, इलाहाबाद या बनारस हिंदू विश्वविद्यालय शिक्षा के इन महत्वपूर्ण केंद्रों में आज़ादी के बाद से छात्र राजनीति ने न केवल छात्रों की समस्याओं को केंद्र में रखकर अपनी गतिशीलता बनाए रखी है बल्कि छात्र राजनीति से निकले नेताओं ने देश की राजनीति के वृहत्तर फलक पर भी अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई है। अभी एनएसयूआई एबीवीपी भी है, इस बीच एक विचार और ज़ोर पकड़ने लगा कि छात्र राजनीति की ज़रूरत ही क्या है। विश्वविद्यालय तो पढ़ने के लिए होते हैं वहां छात्र राजनीति कर बेवजह अपना वक्त ख़राब करते हैं।जेएनयू के पूर्व कुलपति बीबी भटटाचार्य कहते हैं कि कैंपस में राजनीति होनी ही नहीं चाहिए।राजनीति और विश्वविद्यालय दुनिया में कहीं एक साथ नहीं चलते, ऑक्सफ़ोर्ड में भी यूनियन नहीं है, डिबेटिंग सोसायटी है केंब्रिज में यूनियन होती ही नहीं है आज शिक्षक की पहचान भी राजनीतिक दलों से होने लगी है। मेरे हिसाब से शिक्षा का भला इसी में है कि कैंपस में राजनीति न हो, छात्र वहां पढ़ने के लिए आते हैं, उन्हें पढ़ाई ही करनी चाहिए।शायद इन्हीं सब वजहों से आज भारत के तमाम विश्वविद्यालयों में छात्र राजनीति का अस्तित्व तो है लेकिन उसमें वैसी धार नज़र नहीं आती जैसी पहले देखने को मिलती थी।भारत सरकार के उच्च शिक्षा सचिव इस बारे में कहते हैं, लिंग्दोह कमेटी के सुझावों के दायरे में छात्रसंघ चुनाव एक सही क़दम है और इसका समर्थन किया जाना चाहिए, हो सकता है कि किसी-किसी विश्वविद्यालय में छात्र राजनीति की दिशा सकारात्मक न रही हो और वहां के कुलपति ने विश्वविद्यालय के वृहत्तर हित के लिए उसपर रोक लगा दी, लेकिन मेरा मानना है कि यदि सही स्पिरिट में छात्र राजनीति की जा रही है तो ये बहुत अच्छी चीज़ हैबहरहाल, आज भारत के तमाम विश्वविद्यालयों में छात्र राजनीति की वस्तुस्थिति यही है कि उनका अस्तित्व तो है लेकिन उसमें वैसी धार नज़र नहीं आती जैसी पहले देखने को मिलती थी। हालांकि बीएचयू के संस्थापक मदन मोहन मालवीय ने छात्र और राजनीति नामक लेख में लिखा था कि जब तक राष्ट्र पर कोई बड़ा संकट न हो तब तक छात्रों को राजनीति से दूरी रखनी चाहिए और अपना सारा ध्यान पढ़ाई पर केंद्रित करना चाहिए ताकि वो एक बुद्धिजीवी नागरिक बन सकें और देश की उन्नति में ज़्यादा बेहतर योगदान दे सकें।

साथियों बात अगर हम दिनांक 2 मई 2024 को अमेरिका में कई विश्वविद्यालयों के कैंपस में विशाल विरोध प्रदर्शन की करें तो, अमेरिका के कई यूनिवर्सिटी कैंपस में गाजा के समर्थन में शुरू विरोध-प्रदर्शन बड़ा रूप लेता जा रहा है। फिलिस्तीन में इजरायली हमले के खिलाफ आंदोलन का गढ़ अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी बनी है. यहां एक बार फिर सैकड़ों छात्रों को हिरासत में लिए जाने से कॉलेज कैंपस और उसके बाहर तनाव और बढ़ गया है। न्यूयॉर्क में गिरफ्तारी और कैलिफोर्निया में झड़पों की घटनाओं के बीच छात्र घुटने टेकने और आंदोलन खत्म करने से इनकार कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिकी प्रशासन के बलप्रयोग का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पुलिस के हेलीकॉप्टर कैंपस के ऊपर मंडराते देखे गएफ्लैश-बैंग्स की तेज आवाजें भी सुनी गईं। इसकी मदद से पुलिस भीड़ को तितर-बितर करने का प्रयास करती है। अधिकारियों के पास आने पर प्रदर्शनकारियों ने सवाल किया कि पुलिस ने जरूरत के समय कार्रवाई क्यों नहीं की? प्रदर्शनकारियों ने पीछे न हटने का इरादा जाहिर करते हुए दो टूक लहजे में कहा कि प्रशासन शांति चाहता है, लेकिन हम इंसाफ की मांग कर रहे हैं। टीवी चैनलों पर फेस शील्ड और सुरक्षा जैकेट से लैस पुलिसकर्मियों को डंडों, हेलमेट और गैस मास्क से भी लैस देखा गया।अमेरिका में पुलिस की सख्ती के बावजूद फिलिस्तीन के समर्थन में छात्र आंदोलन जारी है। अमेरिकी मीडिया हाउस के मुताबिक अब तक 30 यूनिवर्सिटीज से 1300 से ज्यादा छात्र गिरफ्तार हो चुके हैं। बुधवार को यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, लॉस एंजिल्स ने आदेश दिया है कि प्रदर्शनकारी छात्र या तो कैंपस छोड़ दें या गिरफ्तारी के लिए तैयार रहें।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि पर्दे के पीछे से विचारधारा आगे बढ़ाकर, पैंठ जमाकर जबरदस्त वोट बैंक की राजनीति का प्रचलन बढ़ा।राजनीतिकपार्टीबाजी-जाति समाज से लेकर व्यापार व्यवसाय संगठनों तक व स्कूल कॉलेज से लेकर आध्यात्मिक स्थलों तक। सामाजिक संगठनोंशैक्षणिक संस्थानों, व्यापार व्यवसायसंगठनों व आध्यात्मिक स्थलों सहित हर स्तर के संगठनों में राजनीतिक पार्टी विचारधारा की दखल अंदाजी बढ़ी।

-संकलनकर्ता लेखक-
कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट
किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

डॉ. मनमोहन शर्मा बने राजस्थान राज्य कर्मचारी महासंघ भवानीमंडी के अध्यक्ष

कोलफील्ड मिरर 07 मई (भवानीमंडी): राजस्थान राज्य कर्मचारी महासंघ के पदाधिकारियों व सदस्यों की बैठक का आयोजन शनिवार को सिद्धि विनायक होटल भवानीमंडी के सभागार में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि घनश्याम पाटीदार जिलाध्यक्ष राजस्थान कर्मचारी महासंघ झालावाड़ रहे। विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी श्री दामोदर प्रसाद शर्मा व नायब तहसीलदार हरिशंकर जांगिड रहे। बैठक में स्वागत भाषण डॉ. मनमोहन शर्मा ने दिया। सभी मंचासीन अतिथियों का तिलक लगाकर पुष्पाहार पहनाकर शानदार स्वागत किया गया।मुख्य अतिथि पाटीदार ने अपने सम्बोधन में जिला उपाध्यक्ष बाल मुकुंद मेघवाल व ब्लॉक अध्यक्ष भवानीमंडी के पद पर डॉ. मनमोहन शर्मा की घोषणा की जिसका समर्थन सभी उपस्थित सदस्यों अधिकारियों व शिक्षकों ने किया और सर्वसम्मति से उन्हें भवानीमंडी ब्लॉक का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दामोदर शर्मा ने कहा कि आज का शिक्षक अधिकारों के लिए संघर्ष करता नजर आता है लेकिन आज शिक्षकों को अपने

कर्तव्यों के प्रति भी सदैव सावचेत रहकर स्कूलों में मन, वचन, कर्म से शिक्षण कार्य करना चाहिए। शिक्षक संगठनों में शिक्षक के कर्तव्यों पर भी चर्चा होनी चाहिए।

विशिष्ट अतिथि नायब तहसीलदार हरिशंकर जांगिड़ जी ने नव नियुक्त जिला उपाध्यक्ष बाल मुकुंद मेघवाल व ब्लॉक अध्यक्ष डॉ.शर्मा जी को हार्दिक बधाई दी व शिक्षा जगत में हो रहे परिवर्तन पर संगठनों का ध्यान आकर्षित किया।

बैठक में शिक्षक एवं साहित्यकार डॉ. राजेश कुमार शर्मा पुरोहित अशोक जोगी, जगदीश सोनी, मुरली मनोहर सोनी, थलेश्वर शर्मा, बजरंग सिंह सिसोदिया, पीरूलाल वर्मा कल्याणमल मेघवाल संतोष शर्मा दिनेश बाथरा सहित अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक मौजूद रहे।

नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष डॉ.मनमोहन शर्मा ने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं के त्वरित निदान हेतु मैं भरसक प्रयास करूँगा। क्षेत्र में शिक्षकों की किसी भी वाजिब समस्या का हल तुरन्त करना मेरी पहली प्राथमिकता रहेगी। डॉ. शर्मा ने पूर्व में भी ऐतिहासिक 21 बार निर्विरोध जीत कर शिक्षकों के हित को ध्यान रखते हुए कार्य किया उसी का परिणाम है फिर से महासंघ ने उन्हें जिम्मेदारों सौंपी है। बैठक का संचालन कवि डॉ. राजेश पुरोहित ने किया।

ब्लॉगर और व्लागर की कहानी मुस्कान केशरी जी की जुबानी

कोलफील्ड मिरर 07 मई 2024: ब्लॉगर और व्लागर की कहानी लेखिका मुस्कान केशरी जी की जुबानी। बहुत ही बेहतरीन शीर्षक के साथ लेखिका अपने पाठकों के लिए कुछ अलग और सच्ची घटनाओं पर आधारित यह लेख लेकर आई है जो ब्लागर और व्लोगर से संबंधित है। चलिए बिना समय गवाए हम सभी समझते हैं ब्लागर और व्लागर में क्या अंतर होता है। ब्लॉगर हम उन्हें कहते हैं जो रेगुलर अपने ब्लागिंग के साथ, लेख-आधारित सामग्री, जैसे ट्यूटोरियल कहानियाँ, आर्टिकल लिखते रहते हो और व्लोगर हम उन्हें कहते हैं जो व्लागिंग करते हो जैसे वीडियो सामग्री रिकॉर्ड करते और अपने सोशल मीडिया पर अपलोड करते हो। ब्लागर हो या व्लागर दोनो का काम है लोगों के साथ जानकारी साझा करना बस तरीका थोड़ा अलग है। सबसे पहले ब्लॉगर की बात करते हैं। ब्लॉगर किसी भी जगह चाहे वो पार्क हो, घर हो, स्कूल हो या कही भी आराम से बैठकर अपनी जानकारी को लिख सकता है और अच्छे से सजाकर सभी लोगो तक साझा कर सकते हैं। इसमें उन्हे काफी सारी विषयों के बारे में अध्ययन की आवश्यकता होती है। इसलिए ये शांत जगह पर रहकर कार्य करते हैं। अब बात करते है व्लागर की तो सभी व्लागर की जिंदगी थोड़ी मुश्किल होती हैं ब्लागर की अपेक्षा। लेखिका ऐसा क्यों कह रही है चलिए जानते हैं? व्लागर की जिदंगी इसलिए कठिन है क्योकि इन्हे किसी भी जगह की व्लागिंग करने के लिए खुद को तैयार करना होता है। जैसे बाल ठीक होना चाहिए, कपड़े अच्छे होने चाहिए और सबसे जरूरी इनकी उच्चारण अच्छा होनी चाहिए। अब इन्हे किस-किस चीजो की आवश्यकता होती है चलिए जानते हैं। सबसे पहले अच्छा फोन, कैमरा, माइक, बाइक, एडिटर की तभी एक वीडियो तैयार कर सकते हैं। एक व्लागर तैयार होकर किसी जगह के व्लागिंग के लिए जाता है तो पूरा दिन एक वीडियो को रिकार्ड करने में लग जाता है और रातभर वो एडिटिंग करता है। तब जाकर वो एक वीडियो को अपने सोशल मीडिया पर अपलोड करता है। लेखिका बस यही बताना चाहती है - आजकल जो भी लोग समझते हैं व्लागिंग करना काफी आसान है। उन लोगों को बस यही समझना चाहती है। आज के समय में व्लागिंग करना इतना आसान नहीं है क्योंकि हर कोई आज के टाइम में व्लागर बनना चाहता है और सभी बहुत ज्यादा मेहनत करते हैं। वो लोग लगातार सोशल मीडिया पर एक्टिव होने के लिए अपने फॉलोवर्स को बढ़ाने के लिए दिन -रात मेहनत करते हैं। इसलिए उन्हें डिमोटिवेट नही मोटिवेट कीजिए ताकि वह अपने जिले को पूरे देश में अलग पहचान दिला सके। अभी का समय सोशल मीडिया का समय है और हर कोई सोशल मीडिया का इस्तेमाल करके कुछ खरीदने या खाने जा रहे हैं। व्लागर हो या ब्लॉगर दोनों ही काफी मेहनत करते हैं दोनों को ही बहुत ज्यादा अपना सहयोग दे और उन सभी को आगे बढ़ाने के लिए वीडियो को शेयर जरूर करें।।

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर बिहार